सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" दूसरों को आगे बढ़ाने वाला इंसान ही समाज में सच्चा सम्मान और विश्वास हासिल करता है, हमेशा सहयोग करते रहिए ...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–280 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 29 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

छग में चक्रवात 'अर्नब' का तांडव: 5 जिलों में ऑरेंज, 22 जिलों में येलो अलर्ट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में चक्रवाती तूफान अर्नब का असर दूसरे दिन भी जारी है। प्रदेश के कई जिलों में रुक–रुक कर बारिश और तेज हवाओं से जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने एहतियात के तौर पर 5 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 22 से अधिक जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। खराब मौसम को देखते हुए रायपुर, बालोद और बस्तर संभाग में गुरुवार को सभी स्कूल–कॉलेज बंद रखे गए हैं।

किन जिलों में कैसा अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार चक्रवात अर्नब के केंद्र की दिशा में बदलाव के कारण इसका ज्यादा असर आंध्र प्रदेश और ओडिशा में है, लेकिन छत्तीसगढ़ के दक्षिण और पूर्वी हिस्से में इसका प्रभाव बना हुआ है।

रायपुर–बालोद–बस्तर में स्कूल–कॉलेज बंद, धान की फसल पर संकट

ऑरेंज अलर्ट वाले 5 जिले

नारायणपुर, कोंडागांव, बीजापुर, बस्तर और दंतेवाड़ा। इन जिलों में भारी बारिश और तेज हवा की संभावना को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है।

येलो अलर्ट वाले जिले

गौरेला–पेंड्रा–मरवाही, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, मुंगेली, कबीरधाम, जांजगीर–चांपा, बेमेतरा, बलौदाबाजार, महासमुंद, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, बालोद, धमतरी, गरियाबंद, बलरामपुर, कोरिया, सूरजपुर, जशपुर, सरगुजा और सुकमा। साथ ही कांकेर में भी मौसम प्रभावित होने की आशंका है।

रायपुर में स्कूल–कॉलेज बंद

रायपुर जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए गुरुवार को सभी शासकीय और निजी स्कूलों व कॉलेजों में एक दिवसीय अवकाश घोषित किया है। प्रशासन ने संभावित भारी बारिश, तेज हवाओं और जलभराव की आशंका के चलते यह फैसला लिया है। लोगों से भी अनावश्यक बाहर न निकलने की अपील की गई है।

बालोद में धान की फसल पर मंडराया खतरा

चक्रवात का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ता दिख रहा है। बालोद जिले में पिछले 24 घंटे से हल्की हवा के साथ रुक–रुक कर बारिश जारी है। लगातार बारिश से खेतों में पककर तैयार खड़ी धान की फसलें जमीन पर गिरने लगी हैं। खेतों में फिर से पानी भरने से गिरी हुई बालियों के सड़ने और अंकुरित होने का खतरा बढ़ गया है। शिक्षा विभाग ने बालोद में भी सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। मौसम विभाग के अनुसार बालोद में गुरुवार शाम तक बारिश थमने की संभावना है, लेकिन आसमान साफ होने में एक दिन और लग सकता है। फसल नुकसान का वास्तविक आकलन मौसम खुलने के बाद ही हो पाएगा, लेकिन फिलहाल किसानों की चिंता बढ़ी हुई है।

बस्तर संभाग में तेज हवाओं का दौर

जगदलपुर सहित पूरे बस्तर संभाग में देर रात बारिश के बाद गुरुवार सुबह बारिश थमी, लेकिन तेज हवाएं और घने बादल छाए हुए हैं। बस्तर में भी स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है।

यूपी चुनाव से पहले सबसे बड़ा ओपिनियन पोल

चार राज्यों की 28 MLC सीटों पर बैलेट से मतदान, नतीजों ने बदले सियासी समीकरण

आलोक तिवारी / नईदिल्ली–लखनऊ–पटना

उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक की 28 एमएलसी सीटों पर बैलेट पेपर से हुए चुनाव के नतीजे आ गए हैं। 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से पहले इसे सबसे बड़े ओपिनियन पोल के तौर पर देखा जा रहा है। 28 में से कांग्रेस का खाता शून्य रहा, तो बीजेपी–जेडीएस और एनडीए को बढ़त मिली।

उत्तर प्रदेश: 11 सीटों पर 14.81 लाख वोटर, 55% मतदान – क्या हैं 2027 के संकेत? यूपी में ग्रेजुएट और टीचर की 11 सीटों पर चुनाव हुआ।

बीजेपी 6 पर बरकरार, सपा 3 से 5 पर पहुंची: बीजेपी अपनी 6 सीटें बचाने में कामयाब रही, वहीं समाजवादी पार्टी ने प्रदर्शन सुधारते हुए 5 सीटें जीतीं।

वाराणसी में PM के गढ़ में सपा का मार्जिन बढ़ा: वाराणसी खंड शिक्षक और स्नातक दोनों सीटों पर सपा ने फिर जीत दर्ज की। जीत का अंतर पिछली बार से 4 से 5 गुना बढ़ गया।

गोरखपुर में कांटे की टक्कर: सीएम योगी के गृह क्षेत्र गोरखपुर–फैजाबाद शिक्षक सीट पर बीजेपी प्रत्याशी महज 276 वोटों से जीत पाए।

डिप्टी सीएम का बयान चर्चा में: केशव प्रसाद मौर्य का बयान – "सपा का वहां भी खाता खुल गया जहां नहीं खुलना चाहिए था" – ने पार्टी में मंथन के संकेत दिए हैं।

बिहार: 8 सीटों पर NDA 52 महागठबंधन 52 जन सुराज

पटना ग्रेजुएट पर अनंत सिंह का जादू फेल: बाहुबली अनंत सिंह ने जन सुराज के अनुज सिंह के लिए खुलकर प्रचार किया, फिर भी JDU के नीरज कुमार जीते। जन सुराज तीसरे नंबर पर। नीरज ने तंज कसा – "कहां है रे गुंजन, ले जाओ मिठाइयां!"

पटना टीचर सीट पर बड़ा उलटफेर: RJD के संजीव कुमार ने बीजेपी के 5 बार के MLC नवल किशोर यादव को हराया।

जन सुराज की पहली एंट्री: दरभंगा टीचर सीट पर जन सुराज को जीत मिली और पहली बार विधान परिषद में एंट्री हुई। हालांकि वोट बंटने का

फायदा NDA को मिला।

कर्नाटक और महाराष्ट्र: कांग्रेस का सूपड़ा साफ

कर्नाटक में 4 सीटों पर क्लीन स्वीप: डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार के प्रभाव वाले क्षेत्र में भी कांग्रेस एक भी सीट नहीं बचा पाई। बीजेपी–जेडीएस गठबंधन ने 4–0 से जीत दर्ज की।

महाराष्ट्र में भी NDA भारी: 5 सीटों पर हुए चुनाव में सत्ताधारी महायुति ने विपक्ष को बैलेट पर भी शिकस्त दी।

बैलेट 52 एश्ट पर सियासी जंग

इन चुनावों के बैलेट से होने को लेकर दिल्ली में जुबानी जंग तेज हो गई।

पीएम मोदी और बीजेपी का वार: प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट कर लिखा – "चार राज्यों की 28 MLC सीटों पर बैलेट पेपर से चुनाव हुए, अंदाजा लगाइए कांग्रेस ने कितनी जीतीं?" सुधांशु त्रिवेदी और स्मृति ईरानी ने कहा कि जो EVM पर सवाल उठाते थे, उन्हें जनता ने बैलेट पर जीरो कर दिया।

कांग्रेस का पलटवार: सुप्रिया श्रीनेत और पवन खेड़ा ने कहा कि अगर बीजेपी को बैलेट पर इतना भरोसा है तो सारे विधानसभा चुनाव बैलेट से कराए जाएं। राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने भी कहा – "आप पहले PM हैं जो MLC के सीमित चुनाव पर बोल रहे हैं। आपकी बेचैनी समझते हैं। अगर मतपत्र से कांग्रेस नहीं जीत सकती तो उत्तराखंड, पंजाब, यूपी और लोकसभा चुनाव भी मतपत्र से कराकर दिखाइए।"

नतीजे बताते हैं कि यूपी में सपा ग्रेजुएट–टीचर वर्ग में मजबूत हुई है, बिहार में त्रिकोणीय लड़ाई में NDA को फायदा मिला है, जबकि कर्नाटक–महाराष्ट्र में कांग्रेस के लिए बैलेट भी EVM जैसा ही परिणाम लेकर आया।

पटना ग्रेजुएट MLC चुनाव

अनंत सिंह के समर्थन के बाद भी क्यों हारे जन सुराज के अनुज सिंह? JDU के नीरज कुमार की जीत के 4 बड़े कारण

बिहार की राजनीति में पटना ग्रेजुएट MLC चुनाव का परिणाम चर्चा का विषय बना हुआ है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता और पूर्व एमएलसी नीरज कुमार ने इस सीट पर फिर जीत दर्ज कर ली है। मोकामा के बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह का खुला समर्थन मिलने के बावजूद जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह को हार का सामना करना पड़ा। हैरानी की बात है कि इस चुनाव में जन सुराज तीसरे नंबर पर खिसक गई, जबकि दूसरे स्थान पर आरजेडी रही।

हार के 4 बड़े कारण

ग्रेजुएट वोटर बनाम आम वोटर: मोकामा विधानसभा में अनंत सिंह का व्यक्तिगत प्रभाव मजबूत है, वे जेल में रहते हुए भी चुनाव जीतते रहे हैं। लेकिन यह स्नातक मतदाताओं का चुनाव था। पढ़ा–लिखा वर्ग बाहुबली छवि के बजाय उम्मीदवार के वैचारिक और प्रशासनिक काम को तरजीह देता है। इसलिए अनंत सिंह का पारंपरिक प्रभाव वोट में नहीं बदला।

जन सुराज और अनंत सिंह का वैचारिक विरोधाभास: प्रशांत किशोर की जन सुराज नई, साफ–सुथरी राजनीति का दावा करती है, जबकि अनंत सिंह की पहचान दबंग नेता की है। जन सुराज प्रत्याशी को अनंत सिंह का समर्थन मिलने से मतदाताओं में नकारात्मक संदेश गया। जन सुराज का कोर वोटर इसे पचा नहीं पाया, फायदा JDU को मिला।

त्रिकोणीय मुकाबले में आरजेडी का उभार: माना जा रहा था मुकाबला JDU बनाम जन सुराज होगा, लेकिन RJD ने दूसरा स्थान पाकर समीकरण बिगाड़ दिया। वोटों का बंटवारा हुआ और जन सुराज तीसरे नंबर पर चली गई।

नीरज कुमार का सिटिंग फैक्टर और जमीनी पकड़: MLC चुनाव में मौजूदा प्रतिनिधि को बढ़त मिलती है। नीरज कुमार लंबे समय से स्नातकों के मुद्दों से जुड़े रहे हैं। उनका संपर्क तंत्र और JDU का संगठनात्मक ढांचा जीत का आधार बना।

चुनावी तंज और प्रतिक्रिया: प्रचार के दौरान भोजपुरी गायक गुंजन सिंह का गाना "चश्मा पहने ले काला कुर्ता उजारा... प्यार से छोटे सरकार कहेला" अनंत सिंह के पक्ष में वायरल हुआ था। जीत के बाद सर्टिफिकेट लेने पहुंचे नीरज कुमार ने तंज कसा"कहां है रे गुंजन, ले जाओ मिठाइयां! हमारे यहाँ भी मिठाई बन रही है।"

वहीं हार पर अनंत सिंह ने कहा कि "जनता ही मालिक है और जनता ही भगवान है। जिता दिया तो जिता दिया, हरा दिया तो हरा दिया।"

चीन के बाद अब गरियाबंद में मिली दुर्लभ मकड़ी मंगोरा बाई, भारत में पहली बार वैज्ञानिक रूप से दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / गरियाबंद

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के जंगलों में दुर्लभ प्रजाति की मकड़ी मंगोरा बाई (Mangora baii) मिली है। चीन के युन्नान प्रांत में 2021 में दर्ज इस प्रजाति की मौजूदगी अब पहली बार भारत में वैज्ञानिक रूप से दर्ज हुई है।

शोधकताओं को यह मकड़ी जिला मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर गरियाबंद–देवभोग मार्ग के पास मिली। पहली नजर में पहचान आसान नहीं थी। इसके शरीर की बनावट, रंग, धारियों और शारीरिक विशेषताओं का बारीकी से अध्ययन किया गया और चीन में प्रकाशित शोध पत्रों से मिलान किया गया। करीब एक महीने की पड़ताल के बाद इसकी पहचान मंगोरा बाई के रूप में पुष्ट हुई।

शरीर पर खास धारियों से हुई पहचान

शोधकताओं के मुताबिक, इस मकड़ी के अंडाकार उदर पर चौड़ी काली धारियां, काले रंग का सिर–वक्ष और पैरों की विशेष बनावट इसकी पहचान का आधार बनी। उदर के निचले हिस्से में मौजूद चौड़ी लंबवत रेखा ने भी पुष्टि में मदद की।

यह ऑर्ब–वीवर समूह की मकड़ी है, जो गोलाकार जाल बनाने के लिए जानी जाती है और पारिस्थितिकी तंत्र में कीट नियंत्रण में अहम भूमिका निभाती है। इस अध्ययन में छत्तीसगढ़ के शोधकर्ता डॉ. अविनाश आर. निचत, डॉ. के.के. हैरिस, जसवंत नायक और हितेश कुमार वारते शामिल रहे। खोज का विवरण 24 अक्टूबर को इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंस में प्रकाशित हुआ है।

शोधकताओं का कहना है कि गरियाबंद में यह खोज प्रदेश के वन क्षेत्रों की जैव विविधता को समझने के लिए नई संभावनाएं खोलती है। आमतौर पर बाघ, तेंदुआ जैसे बड़े वन्यजीवों पर ध्यान जाता है, पर छोटे जीवों का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

पुलिस परिवार के हत्यारों को फांसी देने के लिए उज्जवल दीवान बनेंगे जल्लाद

मुख्यमंत्री–गृहमंत्री को लिखा पत्रं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सूरजपुर पुलिस परिवार हत्याकांड के दोषियों को फांसी देने के लिए संयुक्त पुलिस कर्मचारी एवं परिवार कल्याण संघ के अध्यक्ष उज्जवल दीवान ने स्वयं निःशुल्क जल्लाद बनने की इच्छा जताई है।

उज्जवल दीवान ने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि इस हत्याकांड के दोषी कुलदीप साहू, चंद्रकांत चौधरी और फूल सिंह उर्फ रिंकू विश्वकर्मा को न्यायालय द्वारा मृत्युदंड की सजा सुनाई जा चुकी है। कानून के अनुसार सजा पर अमल होना है, तो वे पुलिस परिवार के प्रति संवेदना और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता के चलते निःशुल्क जल्लाद की भूमिका निभाने को तैयार हैं।

दीवान ने कहा कि वदीर्धारी कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा, सम्मान और न्याय के सवालों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। पुलिस परिवार के साथ हुई गंभीर आपराधिक घटना में पीड़ितों को न्याय मिलना जरूरी है।

उन्होंने पत्र में मांग की है कि दोषियों को सजा का क्रियान्वयन निर्धारित कानूनी प्रक्रिया और सक्षम अधिकारियों के माध्यम से शीघ्र किया जाए। उनके इस पत्र के बाद पुलिस परिवारों की सुरक्षा और न्याय का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है।

राहुल गांधी की महारैली से भयभीत है केंद्र सरकार, रोकने की कोशिशें नाकाम होंगी : अरुण वोरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

1 नवंबर को दिल्ली में आयोजित 'चलो दिल्ली' महारैली को लेकर पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की महारैली से भयभीत केंद्र सरकार रोकने की कोशिश कर रही है, लेकिन उसकी कोशिशें नाकाम होंगी, लोकतंत्र की आवाज को दबाया नहीं जा सकेगा।

वोरा ने कहा कि केंद्र सरकार रैली में अड़ंगे डालने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रही है। भ्रामक प्रचार किया जा रहा है कि प्रदर्शन से त्योहारी सीजन में व्यापारियों को हजारों करोड़ का नुकसान होगा। कार्यकताओं के दिल्ली पहुंचने के रास्ते अवरुद्ध किए जा रहे हैं, स्पेशल ट्रेनों की बुकिंग खारिज की जा रही है और सीमाओं पर बैरिकेडिंग की जा रही है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने लोकतंत्र, संविधान और आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाई है। 'वोट बचाओ–देश बचाओ' महारैली मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR), कथित वोट चोरी और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता के सवालों को लेकर है। कांग्रेस की मांग है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम अनुचित तरीके से न हटे।

वोरा ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रैली के लिए बसों की व्यवस्था की है। छत्तीसगढ़ से सैकड़ों कांग्रेसजन, विशेषकर रायपुर और दुर्ग संभाग से पदाधिकारी व कार्यकर्ता दिल्ली रवाना होंगे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा होंगे राज्योत्सव के मुख्य अतिथि

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर 2026 को एक दिवसीय राज्योत्सव समारोह का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित पुराना गंज मंडी, गंजपारा परिसर में किया जाएगा। इस अवसर पर राज्योत्सव कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होंगे।

शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाना सुनिश्चित करें बैंक- कलेक्टर अभिजीत सिंह

जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं समीक्षा समिति की बैठक में बैंकिंग सेवाओं और शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न बैंकों के कार्यों, ऋण वितरण, जमा अनुपात, किसान क्रेडिट कार्ड, मुद्रा ऋण, जन सुरक्षा योजनाओं तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

श्री सिंह ने बैंकों को निर्देशित किया कि शासकीय योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने के लिए बैंक एक निर्धारित तिथि तय करें। बैंकों की सहमति पर सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शुक्रवार को निर्धारित किया गया है, ताकि हितग्राहियों के प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण हो और उन्हें योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने कहा कि बैंक आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करना सुनिश्चित करें।

बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बैंकों की प्राथमिकता एवं 3 गैर-प्राथमिकता क्षेत्र के ऋण, ऋण-जमा अनुपात, शिक्षा ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, मुद्रा ऋण, जन सुरक्षा योजनाओं और अन्य शासकीय योजनाओं के अंतर्गत बैंकों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पीएम स्वनिधि, पीएम सूर्य घर, मत्स्य पालन एवं पशुपालन सहित विभिन्न योजनाओं में लंबित ऋण आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही अनुपस्थित बैंकों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने के लिए भी कहा।

बैठक में नगर पालिक निगम दुर्ग की आयुक्त सुश्री लीना कोसम ने पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत बैंकों में लंबित प्रकरणों पर समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ प्रदान करने को कहा। भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर से उपस्थित सजनंद वर्मा ने भी बैठक में सहभागिता की। उन्होंने अग्रणी जिला प्रबंधक एवं अन्य बैंक अधिकारियों को वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। शिविरों के माध्यम से आम नागरिकों को वित्तीय साक्षरता प्रदान करने तथा पात्र हितग्राहियों को जन सुरक्षा योजनाओं एवं किसान क्रेडिट कार्ड से लाभान्वित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में सहायक महाप्रबंधक (इंडियन बैंक) अमित गौरव, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड श्रीमती अंशु गोयल, वित्तीय साक्षरता केन्द्र दुर्ग लेखराम ध्रुव सहित जिला पंचायत दुर्ग, जिला उद्योग केंद्र, मत्स्य पालन एवं खादी ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारी तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारी उपस्थित थे।

निवार्चन प्रेक्षक द्वारा मतदान केन्द्रों में दावा आपत्ति कार्य का अवलोकन : छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाच आयोग द्वारा धमतरी जिले के अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा देवहारी को दुर्ग जिले के नगरीय निकाय आम एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन-2026 के निर्वाचक नामावली तैयार/पुनरीक्षण कार्य हेतु प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक नियुक्त होने के उपरांत विगत 27 अक्टूबर को प्रेक्षक श्रीमती इंदिरा देवहारी का दुर्ग आगमन हुआ। वे यहां पर दुर्ग के अंतर्गत नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायतों में चल रहे निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यों का जायजा लिया।

खास खबर

छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन का मातृ शक्ति सम्मान समारोह 31 अक्टूबर को दुर्ग में, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या साय होंगी मुख्य अतिथि

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के तत्वावधान में 31 अक्टूबर 2026, शनिवार को दोपहर 1 बजे से मातृ शक्ति सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कॉलेज के सभागार, साइंस कॉलेज के सामने, दुर्ग में होगा। समारोह का मुख्य उद्देश्य महिला शक्ति की भूमिका को रेखांकित करना तथा प्रतिभा सम्मान, सामाजिक सहभागिता और सामाजिक समरसता को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी एवं कंवर समाज महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या देवी साय शामिल होंगी। आयोजन को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए संगठन के पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन से संपर्क किया है। प्रांताध्यक्ष मेघनाथ यादव, अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रांताध्यक्ष भानु प्रताप यादव और महिला विंग की जयंती साहू ने पुलिस अधीक्षक दुर्ग राजेश अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात कर औपचारिक आमंत्रण पत्र सौंपा और सुरक्षा व यातायात व्यवस्था का अनुरोध किया। संगठन ने बताया कि यह आयोजन महिलाओं के अमूल्य योगदान, शिक्षा, नेतृत्व और प्रतिभा को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

3100 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदी से 27 लाख किसानों को सौगात : दक्ष वैद्य साहू

साय कैबिनेट के 19 जनहितैषी निर्णयों को बताया ऐतिहासिक, किसान-कर्मचारी और युवाओं को मिलेगा लाभ

भिलाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट द्वारा लिए गए 19 जनहितैषी निर्णयों का भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने स्वागत किया है। उन्होंने इन निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमंडल के प्रति आभार जताते हुए कहा कि साय सरकार ने साबित कर दिया है कि वह गरीब, किसान, जवान और कर्मचारियों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है।

साहू ने कहा कि खरीफ वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी का निर्णय प्रदेश के 27 लाख से अधिक किसानों के लिए बड़ी सौगात है। कृषक उन्नति योजना के तहत आदान सहायता को प्रति एकड़ देने के प्रावधान से फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन मिलेगा। वहीं, एम-ऊर्जा योजना के तहत घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को मिलने वाली राहत मार्च 2027 तक बढ़ाने से 7.25 लाख परिवार लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि शासकीय कर्मचारियों और उनके आश्रित परिवारों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। इससे गंभीर बीमारी के दौरान कर्मचारियों को इलाज के खर्च का आर्थिक बोझ कम करने में मदद मिलेगी।

साहू के मुताबिक, प्रदेश में अधोसंरचना विकास के लिए 500 करोड़ रुपये का मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये का मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 100 करोड़ रुपये का मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन शुरू करने का निर्णय विकास को नई गति देगा। उन्होंने कटघोरा-डोंगरगढ़ के बीच 295 किलोमीटर लंबी रेल परियोजना के लिए 8000 करोड़ रुपये के प्रावधान, सड़क निर्माण में डामर की बढ़ती कीमतों से प्रभावित ठेकेदारों को राहत, राजनांदगांव में 400 करोड़ रुपये की मल्टी फ्रूट प्रोसेसिंग फैसिलिटी और कोल गैसीफिकेशन को विशेष प्रोत्साहन देने जैसे फैसलों को भी दूरदर्शी बताया।

दुर्ग पुलिस का तड़के सुबह विशेष चेकिंग अभियान

200 जवानों ने खंगाले घर-घर के रिकॉर्ड, 2 स्थायी वारंटी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अपराधों की रोकथाम और सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर दुर्ग पुलिस ने आज 28 अक्टूबर को तड़के सुबह-सुबह विशेष चेकिंग अभियान चलाया।

दुर्ग, भिलाई नगर एवं छावनी अनुविभाग में एक साथ कार्रवाई की गई। रायपुर नाका स्थित उड़िया बस्ती, पदमनाभपुर में नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग भारती मरकाम, अटल रेश्ने आवास सुपेला में नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर निशांत पाठक एवं अटल आवास देवार बस्ती खुर्सीपार में उप पुलिस अधीक्षक यातायात विशाल सोन के नेतृत्व में अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान घर-घर जाकर रहवासियों से पूछताछ कर रिकॉर्ड चेक किए गए। मादक पदार्थ, अवैध हथियार, संदिग्ध वस्तुओं और पूर्व अपराधियों की जांच की गई। संदिग्धों की चेकिंग कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। अटल आवास देवार बस्ती, खुसीपार में चेकिंग के दौरान 02 स्थायी वारंट तामील किए गए।

इस अभियान में 03 राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में थाना-चौकी, ANTF, ACCU, यातायात और रक्षित केंद्र के लगभग 200 अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि अभियान का उद्देश्य कानून-व्यवस्था बनाए रखना, फरार वारंटियों की धरपकड़ और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत करना है।

छठ पर्व से पहले भिलाई निगम ने तेज की तालाबों की सफाई

जलकुंभी और विसर्जन सामग्री हटाई जा रही

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छठ पर्व के मद्देनजर नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर के विभिन्न जोनों में तालाबों की सफाई तेज कर दी है। श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वच्छता के लिए तालाबों से जलकुंभी, शैवाल, विसर्जन सामग्री और अन्य कचरा हटाया जा रहा है।

जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड 22 कुरुद बस्ती स्थित नकटा तालाब में जलकुंभी, कमल की डंडियों और शैवाल की कटिंग कर बाहर निकाला जा रहा है। वार्ड 23 घासीदास नगर तालाब से विसर्जन सामग्री निकालकर सफाई की जा रही है।

जोन-3 अंतर्गत बैकुंठधाम तालाब में जेसीबी और डंपर की मदद से कचरा हटाया जा रहा है। इसी तरह जोन-4 शिवाजीनगर क्षेत्र में भी तालाबों की सफाई की गई है। निगम प्रशासन का कहना है कि छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण और बेहतर सुविधा मिल सके, इसके लिए सभी तालाबों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई कराई जा रही है।

कान्यकुब्ज समाज ने शरद पूर्णिमा पर वरिष्ठजनों का किया सम्मान, गीत-संगीत ने बांधा समां

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच, मानव आश्रम सेक्टर-1, भिलाई-दुर्ग में शरद पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यकारी अध्यक्ष संतोष दीक्षित, श्यामाकांत शुक्ल एवं विनोदिनी पाण्डेय सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने भजन, कविता और फिल्मी गीतों की प्रस्तुति देकर अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में समाज की ओर से 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके वरिष्ठ सदस्यों का आत्मीय सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालों में शिखा तिवारी, नीरज कुमार शुक्ला, राजकुमार मिश्र, प्रदीप तिवारी, नरेंद्र कुमार त्रिपाठी एवं रत्नमाला तिवारी शामिल रहे। उन्हें स्मृति चिह्न, शॉल, श्रीफल, जनेऊ, तुलसी माला एवं सुंदरकांड भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके समाज के वरिष्ठजनों श्यामाकांत शुक्ल, विनोदिनी पाण्डेय तथा प्रदीप तिवारी की माताजी का भी विशेष सम्मान किया गया। उपस्थित सदस्यों ने उनके अनुभव, योगदान और सामाजिक समर्पण के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

गीत-संगीत की प्रस्तुतियों ने मोहा मन : शरद पूर्णिमा की संध्या गीत-संगीत के नाम रही। राकेश शुक्ल (कनिष्ठ), अनिल अवस्थी, राजेंद्र मिश्र, राकेश मिश्र, जयदेव शुक्ल, तन्वी शुक्ल, प्रिया तिवारी, रत्नमाला तिवारी, मुक्ता मिश्रा, सलिल पाण्डेय, अनिल शुक्ल एवं अन्य प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोह लिया। भवन परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

सम्मान समारोह में कार्यकारी अध्यक्ष संतोष दीक्षित के साथ उपाध्यक्ष आलोक शुक्ल, संगठन सचिव बीके द्विवेदी, भवन भंडारण सचिव विजय तिवारी, श्रवण कुमार शुक्ल, सांस्कृतिक सचिव राकेश शुक्ल (कनिष्ठ), पूर्व अध्यक्ष आशीष मिश्रा एवं राजेश मिश्रा सहित ममता अवस्थी, ज्योति तिवारी, रमा अग्निहोत्री और राकेश कुमार शुक्ल (वरिष्ठ) ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों ने स्वरुचि भोज के साथ शरद पूर्णिमा की परंपरागत अमृततुल्य खीर का आनंद लिया। समाज के सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति ने आयोजन को यादगार बनाया। शरद पूर्णिमा आयोजन समिति ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला अस्पताल दुर्ग में प्रसव के दौरान कथित लापरवाही का मामला कलेक्टर से उच्चस्तरीय जांच और पीड़ित परिवार को राहत देने की मांग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला अस्पताल दुर्ग में श्रीमती भुनेश्वरी तारक के प्रसव के दौरान कथित चिकित्सकीय लापरवाही, नवजात शिशु की गंभीर स्थिति तथा प्रसूता के साथ कथित अमानवीय व्यवहार के मामले को लेकर दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गुरदीप सिंह भाटिया ने जिला कलेक्टर से स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच कराने और पीड़ित परिवार को तत्काल राहत प्रदान करने की मांग की है।

गुरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि परिजनों द्वारा लगाए गए आरोप अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक हैं। परिजनों के अनुसार, प्रसव के दौरान नवजात शिशु के दाहिने हाथ की हड्डी टूट गई तथा उसकी स्थिति गंभीर होने के कारण उसे पिछले 10 दिनों से वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। वहीं, प्रसूता ने भी अस्पताल के स्टाफ पर अमानवीय व्यवहार एवं मारपीट के आरोप लगाए हैं। इन सभी आरोपों की चिकित्सकीय तथ्यों एवं संबंधित अभिलेखों के आधार पर निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि

नवजात की गंभीर स्थिति के कारण परिवार को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ रहा है, जिससे परिवार पर भारी आर्थिक एवं मानसिक दबाव पड़ रहा है। ऐसे कठिन समय में प्रशासन का दायित्व है कि पीड़ित परिवार को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए और मामले में तत्काल हस्तक्षेप किया जाए।

दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने जिला कलेक्टर से प्रमुख रूप से निम्नलिखित मांगें की हैं- स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया जाए। प्रसव के समय तैनात डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ एवं संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की जांच कर जवाबदेही तय की जाए। प्रसव से संबंधित चिकित्सकीय अभिलेख, उपचार विवरण, रेफरल दस्तावेज, ड्यूटी रजिस्टर एवं उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखे जाएं। नवजात की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति का स्वतंत्र विशेषज्ञों से आकलन कराकर आवश्यकतानुसार उच्चस्तरीय उपचार की व्यवस्था की जाए। पीड़ित परिवार को शासन की प्रचलित योजनाओं एवं पात्रता के अनुसार आर्थिक सहायता और उपचार संबंधी राहत प्रदान की जाए। प्रसूता के साथ कथित मारपीट एवं अमानवीय व्यवहार के आरोपों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। जांच के लिए समय-सीमा निर्धारित की जाए तथा आरोप प्रमाणित होने पर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्रवाई की जाए।

गुरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि यह मामला किसी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि एक नवजात के जीवन, एक मां के सम्मान और एक पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का है। शासकीय अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा, संवेदनशील व्यवहार और चिकित्सकीय जवाबदेही सुनिश्चित होना आवश्यक है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि मामले में तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित की जाए। साथ ही, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जिला अस्पताल की प्रसव व्यवस्था, कर्मचारियों के व्यवहार एवं मरीजों की सुरक्षा की नियमित निगरानी की जाए।

इस अवसर समर्थन देने वाले कांग्रेसजन में अयूब खान, कन्या धीमर, अश्विनी झगड़े, भूपेंद्र सेन, नंदा राउत, भूपेंद्र वर्मा, के.डी. देवांगन, प्रकाश जोशी, बीना देशमुख, ललित उके, शहंशाह आलम, आशीष देशमुख, सनी साहू, दीपक साहू एवं गुन राउत उपस्थित थे।

सेक्टर-4 वार्ड-58 में डोम शेड निर्माण का हुआ भूमिपूजन, 10 लाख की लागत से होगा निर्माण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेक्टर-04 वार्ड-58, सड़क क्रमांक 27/हटफ के मध्य डोम शेड निर्माण का भूमिपूजन आज दिनांक 28 अक्टूबर 2026 को संपन्न हुआ।

इस स्थान पर पूर्व में छोटा शेड निर्मित है, लेकिन यहां लगातार धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। लंबे समय से रहवासियों द्वारा बड़े डोम शेड की मांग की जा रही थी, जो भाजपा शासनकाल में अब पूरी होने जा रही है। निर्माण की लागत राशि लगभग 10 लाख रुपये है।

भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा युवा नेता मनीष पांडेय, पार्षद ईश्वरी नेताम, पूर्व पार्षद कुलेश्वर प्रसाद (रिंकू साहू), वरिष्ठ नेता दिनेश मुन्ना हिरवानी, वरिष्ठ समाजसेवी थंगेश्वर साहू, गायत्री पीठ से बुधनतीन साहू, गोपाल साहू सहित मोहल्ले के वरिष्ठजन एवं माताएं उपस्थित रहीं।

स्व.लरंग साय जी का जीवन जनसेवा, जनजातीय समाज के उत्थान और सरगुजा अंचल के विकास के लिए समर्पित रहा : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व लरंग साय जी की प्रतिमा का किया वर्चुअल अनावरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बलरामपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से बलरामपुर जिले के ग्राम चिरई-जसवंतपुर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. लरंग साय जी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए जनसेवा, जनजातीय समाज के उत्थान और सरगुजा अंचल के विकास में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बलरामपुर जिले को 202 करोड़ 65 लाख की लागत के 2,009 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 156 करोड़ 68 लाख के 1,863 कार्यों का भूमिपूजन तथा 45 करोड़ 97 लाख के 146 पूर्ण कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय लरंग साय जी जनसेवा के प्रति समर्पित ऐसे जननेता थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, वंचितों, जनजातीय समाज और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित कर दिया। अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक, सांसद और मंत्री के रूप में उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए सदैव जनता के हितों को सर्वोपरि रखा। जनजातीय समाज के अधिकारों, सम्मान और विकास के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को समाजसेवा, समर्पण और जनकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वर्गीय लरंग साय जी के साथ अपने आत्मीय संबंधों को याद करते हुए कहा कि जब वे पहली बार विधायक बने, तभी से उन्हें काका लरंग साय जी के निकट संपर्क में आने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि सांसद के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान काका जी अक्सर उनके निवास पर आया करते थे और कई बार वहीं ठहरते थे। उन्होंने काका जी से कहा था कि जब भी वे दिल्ली आएँ, उनके लिए निवास पर एक कमरा हमेशा आरक्षित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के साथ भी स्वर्गीय लरंग साय जी के अत्यंत आत्मीय संबंध थे। अटल जी उनका विशेष सम्मान करते थे। काका जी का सहज स्वभाव, सरल जीवन और जनता के प्रति समर्पण उनकी विशिष्ट पहचान थी। सार्वजनिक जीवन में उनके आदर्श हम सभी के लिए सदैव अनुकरणीय रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए की तीन महत्वपूर्ण घोषणाएँ

मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्रवासियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। उन्होंने शंकरगढ़ स्थित बालक हायर सेकेंडरी स्कूल के जर्जर भवन के स्थान पर नवीन विद्यालय भवन के निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही चांदो में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक बड़े सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय लरंग साय जी की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए उनकी प्रतिमा स्थल के समीप भव्य स्मृति द्वार के निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह स्मृति द्वार जनसेवा के प्रति उनके समर्पण और क्षेत्र के विकास में दिए गए योगदान का प्रतीक बनेगा।

बलरामपुर जिले में विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बलरामपुर जिले को एक साथ बड़ी संख्या में विकास कार्यों की सौगात मिलना क्षेत्र की प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नए कार्यों के भूमिपूजन से निर्माण गतिविधियों को गति मिलेगी, वहीं पूर्ण हो चुके कार्यों से आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी। सड़क, अधोसंरचना और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के नए अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सरगुजा और बस्तर सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। हमारा संकल्प है कि विकास का लाभ अंतिम गाँव और अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे तथा हर नागरिक को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें।

गरीबों और विशेष पिछड़ी जनजातियों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब परिवारों के पक्के आवास का सपना तेजी से साकार हो रहा है। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1,600 प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बस्तर में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार से माँगे गए 15 हजार अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवासों को भी स्वीकृति मिल गई है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना हमारी सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। प्रदेश में पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, कमार, बैगा और अबूझमाड़िया जैसे समुदायों की आबादी लगभग 3 लाख 20 हजार है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत इन समुदायों के लिए लगभग 32 हजार आवास स्वीकृत किए गए हैं। इसके साथ ही बिजली, पेयजल, राशन कार्ड और अन्य बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए भी निरंतर कार्य किया जा रहा है।

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, किसानों की सुविधा के लिए खुलेंगे 360 नए केंद्र

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की समृद्धि और उनकी मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। आगामी 15 नवंबर से प्रदेश में धान खरीदी प्रारंभ होगी। इस वर्ष भी किसानों से 3,100 प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदा जाएगा। उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए प्रदेशभर में 360 नए धान खरीदी केंद्र प्रारंभ किए जा रहे हैं। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता कम होगी और खरीदी केंद्रों में अनावश्यक भीड़ तथा लंबी कतारों से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि धान बेचने में किसी भी अन्नदाता को परेशानी न हो।

वनांचल के परिवारों की आय बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वनांचलों में निवासरत परिवारों की आजीविका को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। बस्तर और सरगुजा संभाग में लगभग 13 लाख परिवार तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े हैं। इन परिवारों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तेंदूपत्ता संग्रहण की पारिश्रमिक दर 4,000 से बढ़ाकर 5,500 प्रति मानक बोरा की गई है। इसके साथ ही तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए चरण पादुका योजना भी पुनः प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के साढ़े पाँच लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार की एकमुश्त आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। सरकार का प्रयास है कि गरीब, किसान, श्रमिक और वनांचल के परिवार आर्थिक रूप से सशक्त बनें तथा विकास की मुख्यधारा से जुड़ें।

सुशासन से आम नागरिकों का जीवन होगा अधिक सुगम

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मंत्रालय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू की गई है और शासकीय सेवाओं को डिजिटल माध्यम से अधिक सुलभ बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएँ और शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध निराकरण हो और नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए शासकीय कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सुशासन की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब आम नागरिकों को सरलता और समय पर शासकीय सेवाओं का लाभ मिले। मुख्यमंत्री श्री साय ने बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रतिकूल मौसम के कारण व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाने पर खेद भी प्रकट किया।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष रामकिशुन सिंह, बब्रुवाहन महाराज, ओम प्रकाश जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

स्व. लरंग साय जी के सपनों को साकार करने के लिए क्षेत्र के विकास को देंगे नई गति : कृषि मंत्री नेताम

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि स्वर्गीय लरंग साय जी ने अपना संपूर्ण जीवन जनसेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित किया। उनका योगदान केवल सामरी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे सरगुजा अंचल के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी प्रतिमा की स्थापना उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ ही भावी पीढ़ियों को उनके आदर्शों से परिचित कराने की सराहनीय पहल है। श्री नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरगुजा अंचल में विकास कार्यों को नई गति मिल रही है। बलरामपुर जिले को 202 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिलने से सड़क, पुल-पुलिया, तालाब और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की अन्य आवश्यकताओं और जनप्रतिनिधियों की माँगों के अनुरूप भी विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। स्वर्गीय लरंग साय जी ने क्षेत्र के विकास का जो सपना देखा था, उसे साकार करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

स्वर्गीय लरंग साय जी का व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव प्रेरणादायी रहेगा : मंत्री राजवाड़े

महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि स्वर्गीय लरंग साय जी जनजातीय समाज के प्रमुख नेता और जनसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व थे। भारतीय जनसंघ से जुड़े रहकर उन्होंने सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी नेतृत्व क्षमता, सहज व्यक्तित्व और आम जनता से गहरा जुड़ाव उनकी विशेष पहचान रही। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं, किसानों, गरीबों और जनजातीय समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों को प्रतिमाह ?1,000 की आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे उनका आत्मविश्वास और आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार गठन के बाद पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति का निर्णय गरीबों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में बलरामपुर जिले सहित पूरे सरगुजा अंचल में विकास और जनकल्याण के कार्यों को और गति मिलेगी।

खास खबर

करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर, इसका संरक्षण और संवर्धन हम सभी का नैतिक दायित्व : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम परिसर में उरांव (सरना) आदिवासी विकास संघ, रायपुर द्वारा आयोजित करम पूजा परब 2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने करम राजा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने भारत माता के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। यह पर्व प्रकृति के प्रति हमारी आस्था, प्रेम और सम्मान की भावना को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की जो परंपरा विकसित की, वह आज भी हमारे समाज को महत्वपूर्ण संदेश देती है। करम परब इसी जीवनदर्शन का प्रतीक है, जो हमें प्रकृति के संरक्षण, सामाजिक एकता और सामूहिक जीवन के मूल्यों से जोड़ता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपर्वों, परंपराओं और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव से है। प्रदेश के विभिन्न जनजातीय समाजों ने अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजकर रखा है। करम परब भी ऐसी ही गौरवशाली परंपरा है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के साथ परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने और आपसी प्रेम, भाईचारे तथा सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं केवल उत्सव मनाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनमें हमारे पूर्वजों का ज्ञान, जीवनमूल्य और समाज को एकजुट रखने की भावना समाहित है। इन परंपराओं को जीवंत बनाए रखना और भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। जब हमारी नई पीढ़ी अपनी भाषा, लोकगीतों, लोकनृत्यों और पारंपरिक पर्वों से जुड़ी रहेगी, तभी हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत निरंतर आगे बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि करम परब जैसे आयोजन समाज के लोगों को एक मंच पर लाने के साथ आपसी संबंधों को मजबूत करते हैं। ऐसे अवसरों पर समाज के वरिष्ठजनों से नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और रीति-रिवाजों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने उरांव समाज द्वारा अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज की सक्रिय सहभागिता से ही हमारी सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सकेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर रायपुर जिले के गनोद गांव में उरांव समाज के लिए 50 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण से समाज को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के आयोजन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही समाज के लोगों को एकजुट होकर अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा।

इस अवसर पर अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के पदाधिकारी, समाज के प्रमुख बिन्देश्वर भगत, उरांव (सरना) आदिवासी विकास संघ के पदाधिकारी, समाज के वरिष्ठजन, सदस्य एवं बड़ी संख्या में समाज के परिवारजन उपस्थित थे।

सौजन्य मुलाकात

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने की सौजन्य मुलाकात

राज्योत्सव में आसमान पर दिखेगा भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और अद्भुत उड़ान कौशल का रोमांचक नजारा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर टीम के सदस्यों ने मुख्यमंत्री श्री साय को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने टीम के सदस्यों का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर आत्मीय स्वागत करते हुए राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव में उनकी सहभागिता को प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का आगमन प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव की बात है। भारतीय वायु सेना अपने अदम्य साहस, अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट पेशेवर दक्षता के लिए विश्वभर में सम्मानित है। सारंग टीम का हवाई प्रदर्शन इन गौरवशाली परंपराओं का जीवंत परिचय कराएगा। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित यह एयर शो छत्तीसगढ़वासियों, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों के लिए अविस्मरणीय अनुभव होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का शौर्य और पराक्रम प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। सारंग टीम के पायलट जिस साहस, सटीकता और आपसी समन्वय के साथ आसमान में कठिन हवाई करतब प्रस्तुत करते हैं, वह उनके कठोर प्रशिक्षण, अनुशासन और उत्कृष्ट टीम भावना का परिचायक है। यह प्रदर्शन युवाओं को बड़े सपने देखने, चुनौतियों का सामना करने और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश रक्षा और विमानन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी तकनीक से विकसित ध्रुव हेलीकॉप्टरों के माध्यम से सारंग टीम का प्रदर्शन भारत की तकनीकी क्षमता, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का भी परिचय कराएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन प्रदेश के युवाओं में भारतीय वायु सेना और अन्य सशस्त्र बलों में शामिल होकर राष्ट्रसेवा करने की भावना को और मजबूत करेगा।

2 नवंबर को सेंध लेक के आसमान में दिखेगा रोमांचक नजारा

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को नवा रायपुर अटल नगर स्थित सेंध लेक क्षेत्र में भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम द्वारा भव्य एयर शो प्रस्तुत किया जाएगा। सुबह 11 बजे से प्रारंभ होने वाले इस विशेष हवाई प्रदर्शन में पांच हेलीकॉप्टर आसमान में अद्भुत सामंजस्य, सटीक उड़ान और साहसिक करतबों का प्रदर्शन करेंगे। एयर शो के दौरान दर्शकों को हेलीकॉप्टरों की विभिन्न आकर्षक संरचनाएं, समन्वित उड़ानें और रोमांचकारी हवाई गतिविधियां देखने का अवसर मिलेगा। अत्यंत नजदीकी सामूहिक उड़ान और निर्धारित संरचनाओं में हेलीकॉप्टरों का सटीक संचालन सारंग टीम की विशेष पहचान है। राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित यह प्रदर्शन समारोह के प्रमुख आकर्षणों में शामिल होगा।

इस आयोजन के माध्यम से प्रदेशवासियों को भारतीय वायु सेना की उत्कृष्ट कार्यकुशलता और आधुनिक विमानन तकनीक से परिचित होने का अवसर मिलेगा। विशेष रूप से विद्यार्थियों और युवाओं के लिए यह आयोजन विमानन, विज्ञान, तकनीक और रक्षा सेवाओं के क्षेत्र में नई संभावनाओं को जानने तथा अपने भविष्य के लिए प्रेरणा प्राप्त करने का माध्यम बनेगा।

ग्रुप कैप्टन अभिजीत कुमार के नेतृत्व में पांच हेलीकॉप्टर करेंगे हवाई प्रदर्शन

सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का नेतृत्व ग्रुप कैप्टन अभिजीत कुमार करेंगे। टीम में दो महिला पायलट स्क्वाड्रन लीडर सुश्री अंकिता और स्क्वाड्रन लीडर सुश्री अक्षया भी शामिल हैं। टीम के सदस्य पांच हेलीकॉप्टरों के माध्यम से आसमान में विभिन्न रोमांचक संरचनाओं और साहसिक हवाई करतबों का प्रदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात के दौरान ग्रुप कैप्टन अभिजीत कुमार ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में सहभागिता का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के राज्य स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा बनना सारंग टीम के लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने बताया कि सारंग टीम देश-विदेश में अपने हवाई प्रदर्शनों के माध्यम से भारतीय वायु सेना के कौशल, अनुशासन और उत्कृष्टता का परिचय देती रही है।

ग्रुप कैप्टन कुमार ने कहा कि सारंग टीम का उद्देश्य केवल दर्शकों को रोमांचक हवाई करतब दिखाना नहीं है, बल्कि युवाओं को साहस, आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करना भी है। भारतीय वायु सेना में युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा और क्षमताओं को निखारने तथा देश की सेवा करने के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि सपनों की उड़ान के लिए पूरा आसमान संभावनाओं से भरा हुआ है। आवश्यकता केवल अपने सपनों पर विश्वास करने, दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर परिश्रम करने की है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य कितना भी ऊंचा क्यों न हो, समर्पण, अनुशासन और कठिन परिश्रम से उसे प्राप्त किया जा सकता है।

ग्रुप कैप्टन श्री कुमार ने बताया कि विश्व में हेलीकॉप्टरों के माध्यम से इस प्रकार के एयरोबैटिक प्रदर्शन करने वाली चुनिंदा तीन टीमें हैं, जिनमें भारतीय वायु सेना की सारंग टीम भी शामिल है। सारंग टीम की विशेषता यह है कि इसके पांच हेलीकॉप्टर अत्यंत सटीक समन्वय के साथ सामूहिक उड़ान और रोमांचक हवाई करतब प्रस्तुत करते हैं। इस प्रकार के प्रदर्शन के लिए पायलटों के बीच असाधारण तालमेल, एकाग्रता, निरंतर अभ्यास और उच्चस्तरीय तकनीकी दक्षता आवश्यक होती है।

स्वदेशी ध्रुव हेलीकॉप्टरों से प्रदर्शित होगी भारत की तकनीकी उत्कृष्टता

भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम अपनी विशिष्ट उड़ान शैली और उत्कृष्ट सामूहिक समन्वय के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है। यह टीम भारत में विकसित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव के माध्यम से हवाई प्रदर्शन करती है।

स्वदेशी ध्रुव हेलीकॉप्टर भारत की आधुनिक विमानन तकनीक और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। इन हेलीकॉप्टरों के माध्यम से सारंग टीम कठिन और जटिल हवाई संरचनाओं का प्रदर्शन कर भारतीय वायु सेना के पायलटों की दक्षता तथा देश की तकनीकी सामर्थ्य का परिचय कराती है। सारंग टीम के हेलीकॉप्टरों का आकर्षक रंग संयोजन और विशेष डिजाइन भारत के राष्ट्रीय पक्षी मोर से प्रेरित है। आसमान में इन रंग-बिरंगे हेलीकॉप्टरों की सामूहिक उड़ान दर्शकों के लिए अत्यंत मनोहारी दृश्य प्रस्तुत करती है। हेलीकॉप्टरों का संतुलित संचालन, निर्धारित दूरी पर उड़ान और एक साथ बदलती संरचनाएं दर्शकों को रोमांचित करती हैं। उत्कृष्टता से प्रेरणा के आदर्श वाक्य के साथ सारंग टीम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारतीय वायु सेना की गौरवशाली परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती है। टीम के प्रदर्शन में साहस के साथ-साथ अनुशासन, तकनीकी दक्षता, आपसी विश्वास और सामूहिक प्रयास का अनूठा समन्वय देखने को मिलता है।

महिला पायलटों की सहभागिता से प्रदेश की बेटियों को मिलेगी नई प्रेरणा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सारंग टीम में दो महिला पायलटों की सहभागिता पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज देश की बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, साहस और क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। रक्षा और विमानन जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी नए भारत की बदलती तस्वीर को दशार्ती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्क्वाड्रन लीडर सुश्री अंकिता और स्क्वाड्रन लीडर सुश्री अक्षया जैसी महिला पायलटों का साहस और आत्मविश्वास छत्तीसगढ़ की बेटियों के लिए प्रेरणादायी है। उनकी उपलब्धियां यह संदेश देती हैं कि दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम और उचित अवसर मिलने पर बेटियां किसी भी ऊंचाई को प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियां शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल और अन्य क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। सारंग टीम की महिला पायलटों का प्रदर्शन उन्हें विमानन और रक्षा सेवाओं जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी अपना भविष्य बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

युवाओं में राष्ट्रसेवा, अनुशासन और टीम भावना को मिलेगा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्योत्सव केवल छत्तीसगढ़ की स्थापना का उत्सव नहीं, बल्कि प्रदेश की उपलब्धियों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प का भी अवसर है। इस अवसर पर भारतीय वायु सेना की सारंग टीम की सहभागिता समारोह को एक विशेष राष्ट्रीय गौरव से जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को साहस, अनुशासन, नेतृत्व और सामूहिक प्रयास का महत्व समझाते हैं। सारंग टीम के प्रत्येक प्रदर्शन के पीछे पायलटों का कठिन परिश्रम, वर्षों का प्रशिक्षण और एक-दूसरे के प्रति अटूट विश्वास होता है। ये गुण जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि नवा रायपुर में आयोजित एयर शो प्रदेशवासियों के मन में भारतीय वायु सेना के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को और प्रगाढ़ करेगा। साथ ही नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने और देश की सेवा के लिए आगे आने की प्रेरणा देगा।

राज्योत्सव की भव्यता को नई ऊंचाई देगा सारंग टीम का प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाला सारंग हेलीकॉप्टर एयर शो प्रदेश के लिए एक विशेष आकर्षण होगा। पांच हेलीकॉप्टरों के साथ भारतीय वायु सेना के कुशल पायलटों का साहसिक प्रदर्शन दर्शकों को रोमांच, गौरव और उत्साह से भर देगा। नवा रायपुर के सेंध लेक क्षेत्र में आयोजित इस एयर शो के माध्यम से प्रदेशवासियों को भारतीय वायु सेना के शौर्य, अदम्य साहस और उत्कृष्ट उड़ान कौशल को निकट से देखने का अवसर मिलेगा। यह आयोजन छत्तीसगढ़ राज्योत्सव की भव्यता को नई ऊंचाई देने के साथ प्रदेशवासियों की स्मृतियों में एक यादगार अनुभव के रूप में स्थापित होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्णा दास तथा प्रेस अधिकारी आलोक सिंह उपस्थित थे।

संपादकीय

दिखना चाहिए कानून सबके लिए बराबर है

कहा तो जाता है कि कानून सबके लिए बराबर होता है,कानून की नजर में गरीब व अमीर सब समान हैं। कानून से बड़ा कोई नहीं होता है,कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं,उससे कोई बच नहीं सकता। किसी ने अपराध किया है तो उसे सजा जरूर मिलनी चाहिए।कहने सुनने में तो यह अच्छा लगता है,लेकिन कई बार ऐसे उदाहरण आते हैं कि लोगों को लगता है कि कानून उसी के लिए हैं जिसके पास पैसा है, जिसके पास पैसा है वह मनचाहा न्याय प्राप्त कर सकता है और गरीब लोगों न्याय को तरसते रह जाते हैं।ऐसे समय मे जब एक उदाहरण से यह दिखाई देता है कि कानून अमीर व गरीब सबके लिए बराबर है,जज और आम लोगों के लिए समान है तो लोगों को बहुत अच्छा लगता है। उम्मीद बंधती है कि अभी न्याय के क्षेत्र में ऐसे जज हैं जो मानते हैं कि कानून सबके लिए बराबर है और वह ऐसा फैसला करके दिखाते भी हैं कि हम कहते नहीं है,करके दिखाते भी है। जब न्याय होते हुए दिखता है तो लोकतंत्र में न्याय व्यवस्था के प्रति कमजोर हो रहा विश्वास मजबूत होता है।

केरल के चेरानल्लूर में एडिशनल डिस्ट्रिक जज और मर्सिडीज के मालिक पिता पर केरल हाईकोर्ट ने केस दर्ज करने अनुमति दी है। जज के 17 साल के बेटे कार चलाते हुए रविवार की सुबह चेरानल्लूर में 55 साल के फल विक्रेता को टक्कर मार दी.इससे फल विक्रेता जयबालकृष्णन की मौत हो गई। जैसा कि आम तौर पर होता है कि किसी बड़े आदमी का मामला होता है तो पुलिस मामले को निपटाने का प्रयास करती है। पुलिस जज के बेटे का मामला होने के कारण लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया और जज के बेटे को थाने से जमानत दे दी। परिवार व स्थानीय लोगों ने इस बात का विरोध किया तो मामले में गैरइरादतन हत्या की धारा जोड़ी गई जज के बेटे को दोबारा हिरासत में लेकर जुवनाईल जस्टिस बोर्ड में पेश किया गया। बोर्ड ने उसे फिर जमानत दे दी। परिवार ने इसका विरोध किया और थाने के सामने धरना दिया। यह मुद्दा सोमवार को केरल विधानसभा में उठा। गृहमंत्री रमेश चेन्निथला ने माना कि इस मामले में पुलिस की शुरूआती कार्रवाई ठीक नहीं थी। बाद में केरल हाईकोर्ट ने जज पिता के खिलाफ केस दर्ज करने की अनुमति दी यानी यह माना गया कि बेटे ने गलती तो की है साथ ही पिता ने भी गलती की है अपने नाबालिग बेटे को कार चलाने की छूट देकर।जबकि जज होने के कारण पिता को मालूम है कि नाबालिग को कार चलाने देना गलत है।वह किसी जान ले सकता है या उसकी भी जान जा सकती है।

जज पिता न एक तो अपने बेटे को कार चलाने की अनुमति दी। बेटे ने लापरवाही से कार चलाते हुए एक परिवार के कमाऊ सदस्य की जान ले ली। जज पिता का मानना चाहिए कि उनके बेटे ने गलती है और इसके लिए उनको माफी मांगनी चाहिए तो उल्टा वह परिवार को डराने लगे। जिस पिता की मौत हो गई है उस बेटी का बयान है कि जज ने उससे कहा कि मुझे कानून मत सिखाओ। हादसे के बाद जज का व्यवहार बेहद खराब था। जज गलती करने के बाद भी अपने बेटे को बचाने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस भी उनके जज होने के कारण कार्रवाई करने से डर रही थी। पुलिस व जज के व्यवहार एक बेटी को यही एहसास हुआ कि किसी के पास पैसा है या कोई ऊंचे पद पर बैठा है तो कानून उसके साथ है और आम आदमी के लिए कानून अलग है। मामला विधानसभा में नहीं उठा होता तो यह मामला भी जज का बेटा होने के कारण निपटा दिया गया होता। मामला विधानसभा में उठने के बाद गृहमंत्री को भी मानना पड़ा कि पुलिस ने शुरू में जो कुछ किया ठीक नहीं किया। इसके बाद जाकर पुलिस ने केरल हाईकोर्ट से जज के खिलाफ केस दर्ज करने की अनुमति मांगी और केरल हाई कोर्ट ने अनुमति दी।

केरल हाई कोर्ट ने जज पिता पर के खिलाफ केस दर्ज करने की अनुमति देकर अच्छा किया है। इससे ऐसा लगता तो है तो अदालतें और कुछ जज कानून की नजर में सबको समान मानते हैं। वह जज के खिलाफ केस दर्ज करने की अनुमति देते हैं तो दिखता है कि कानून सबके लिए समान है। इस मामले में कानून सबके लिए समान है सच में तब माना जाएगा जब जज पिता और उसके नाबालिग बेटे को उनके किए गए अपराध के लिए सजा भी मिले। जज पिता ने एक बार अपने बेटे को बचाने का प्रयास किया है तो आगे भी वह ऐसा कर सकते हैं।कानून के मुताबिक तो ऐसे मामले में पिता और बेटे पर अलग अलग कार्रवाई होती है। अभी बोर्ड तय करेगा कि नाबालिग पर वयस्क की तरह मुकदना चलेगा या नहीं। नाबालिग होने के कारण उसे जेल नहीं भेजा जा सकता,लेकिन अधिकतम किसी सुधारगृह भेजा जा सकता है, 25 वर्ष तक उसका ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बनेगा।नाबालिग यदि माता पिता की अनुमति से वाहन चला रहा था तो उन्हें तीन साल की सजा हो सकती है। 25 हजार तक जुमार्ना हो सकता है।वाहन का रजिस्ट्रेशन एक साल के लिए रद्द हो सकता है।

घर के नाबालिगों को बाइक व कार चलाने की अनुमति माता पिता को नहीं देनी चाहिए। यह उनकी जिम्मेदारी है,वह यह कहकर नहीं बच सकते कि उनके अनुमति के बिना बच्चे बाइक या कार चलाते है। यातायात पुलिस भी स्कूल खुलने से लेकर साल भर बच्चों को स्कूल जाकर व माता पिता को कई तरह के कार्यक्रम चलाकर जागरूक करती है कि यह ठीक नहीं है इससे नुकसान होना तय है या तो आपका बच्चा घायल होगा मारा जाएगा या दूसरे का घायल करेगा या मारेगा। इसके बाद भी नाबालिग सड़क पर बाइक चलाते दिख जाते हैं तो इसके लिए माता पिता ही दोषी हैं। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होना काफी नहीं है, उनको सजा भी होनी चाहिए ताकि उनको और उनके बच्चों को ऐसा लगे तो उन्होंने गलत किया है और उनके बच्चों ने गलत किया है।

पुस्तक समीक्षा : आरएसएस@100 : संघ को समझने की नई खिड़की

डॉ. पंकज सोनी

वर्ष 2026 राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए केवल शताब्दी वर्ष के उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की कार्य-योजना और भविष्य की दिशा तय करने का महत्त्वपूर्ण वर्ष रहा है। वर्ष 1925 में स्थापित संघ 2025 में अपने सौ वर्ष पूरे कर चुका है और अब दूसरी शताब्दी की यात्रा पर अग्रसर है। इस ऐतिहासिक पड़ाव पर पत्रकारिता के दो विद्वानों- प्रो . संजय द्विवेदी और डॉ . लोकेंद्र सिंह, ने 'आरएसएस@100' पुस्तक का संपादन किया है। यह पुस्तक संघ के सौ वर्षों की यात्रा का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के साथ-साथ उसके वैचारिक आधार, वर्तमान भूमिका और भविष्य की संभावित दिशा को समझने का अवसर भी देती है। इस दृष्टि से यह अतीत के मूल्यांकन, वर्तमान के विश्लेषण और भविष्य की रूपरेखा को एक सूत्र में जोड़ने का प्रयास है।

संपादक प्रो. संजय द्विवेदी और डॉ. लोकेंद्र सिंह ने 35 आलेखों को एक सूत्र में पिरोकर इस पुस्तक का निर्माण किया है। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, राजनाथ सिंह, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, डॉ. सदानंद दामोदर सप्रे, कैलाश चंद्र, हितानंद शर्मा, धर्मेंद्र सिंह लोधी, डॉ. शाहिद अली, प्रमोद भार्गव, नितिन गर्गे, डॉ. शिवानी कटारा, डॉ. सौरभ मालवीय, गिरीश जोशी, प्रो. पवन सिंह और सुदर्शन व्यास सहित 35 लेखकों ने अपने आलेखों से पुस्तक को व्यापक और बहुआयामी बनाया है। साथ ही कुछ महापुरुषों के विचारों और पुराने लेखों को भी पुस्तक में शामिल किया गया है।

इन विशिष्ट स्वरों में संघ की यात्रा अलग-अलग दृष्टियों से उभरकर सामने आती है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने संघ की यात्रा को सेवा, त्याग और राष्ट्रनिर्माण की यात्रा कहा है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने आलेख में सौ वर्षों की इस यात्रा को संगठन की तपस्या, त्याग, निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और संकल्प की यात्रा बताया है। वहीं कैलाश चंद्र ने इसे व्यक्ति के चरित्र-निर्माण से राष्ट्र-निर्माण तक की यात्रा के रूप में वर्णित किया है।

मोहिते के बाड़े से देश-दुनिया तक

पुस्तक में डॉ. लोकेंद्र सिंह का आलेख संघ के आरंभ को जीवंतता को सामने रखता है। पहली शाखा नागपुर के मोहिते के बाड़े से शुरू हुई थी। संघ का नामकरण भी 17 अप्रैल 1926 की बैठक में सामूहिक सहमति से हुआ। लेखक ने सौ वर्षों को चार चरणों, यानी संगठन, कार्य-विस्तार, सेवा-कार्यों को गति और सज्जन शक्ति के साथ कदमताल, में बाँटकर इस लंबी कथा को सुगम बनाया है। इसी आलेख में आँकड़ों के माध्यम से बताया गया है कि देश के लगभग 98 प्रतिशत जिलों में शाखाएँ और 83,129 दैनिक शाखाएँ) लगती हैं। जो संघ के सौ वर्षों के विस्तार की कहानी कहती हैं। डॉ. मोहन भागवत जी के आलेख में संघ की वैचारिक दृष्टि सीधे शीर्ष नेतृत्व के शब्दों में मिलती है। वे 'हिन्दू' शब्द का मर्म 'वसुधैव कुटुम्बकम्' बताते हैं। उनके अनुसार संघ तीन बातों पर अडिग है: व्यक्ति-निर्माण से परिवर्तन, संगठित समाज से स्वतः परिवर्तन, और यह कि हिन्दुस्थान हिन्दू राष्ट्र है। शेष बातों में संघ लचीला है। भविष्य की दिशा के रूप में वे सज्जनशक्ति को जोड़ने और समाज के ओपिनियन मेकर्स से निरंतर संवाद की बात करते हैं।

भ्रांतियों का सामना और संवाद - जहां प्रश्न पूछना भी स्वीकार्य है

संपादक प्रो. संजय द्विवेदी ने संपादकीय में लिखा है कि किसी संगठन की परिपक्वता इससे दिखती है कि वह अपने ऊपर उठने वाले सवालों से कतराता है या उनका सामना करता है। 'आरएसएस@100' की बड़ी खूबी यह है कि वह कठिन प्रश्नों को किनारे नहीं करती, उन्हें सीधे सामने रखकर उत्तर देने का प्रयास करती है। संपादकीय 'दिल से समझिए आरएसएस को' इसकी भूमिका बाँधता है। उसके अनुसार संघ काम करता है, प्रचार नहीं करता; इसलिए वह आलोचनाओं का खंडन भी नहीं करता और भ्रम बने रहते हैं। पुस्तक इसी चुप्पी को संवाद में बदलती है।

डॉ. सदानंद दामोदर सप्रे अपने आलेख 'कुछ भ्रांतियाँ एवं वस्तुस्थिति' में बहुत सटीक बात लिखते हैं कि संघ के अनेक समर्थकों के मन में भी 'संघ अच्छा तो है, किंतु' वाला भाव रहता है, और इस 'किंतु' के बाद जो आता है, उसकी वस्तुस्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। इसके बाद वे एक-एक प्रश्न उठाकर उसका उत्तर देते हैं। उदाहरण के लिए, 'हिन्दू' शब्द का अर्थ क्या है? लेखक का तर्क है कि संघ 'हिन्दू' को संस्कृति-सूचक अर्थ में लेता है, उपासना-पद्धति के अर्थ में नहीं। वे तुर्कीस्तान, अफगानिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे नामों का उदाहरण देते हैं, जहाँ देश का नाम राष्ट्रीयता बताता है, उपासना-पद्धति नहीं। वे यह भी कहते हैं कि 'सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा' में 'हिंदी' शब्द राष्ट्रीयता का सूचक है। संघ के एकात्मता स्तोत्र के संदर्भ में वे दादाभाई नौरोजी (पारसी), रसखान (मुस्लिम), गुरु नानक, भगवान महावीर और गौतम बुद्ध जैसे नामों का उल्लेख करते हैं। इनके सहारे वे दिखाते हैं कि संघ की प्रातः स्मरण परंपरा में विविध पंथों के महापुरुषों को याद किया जाता है।

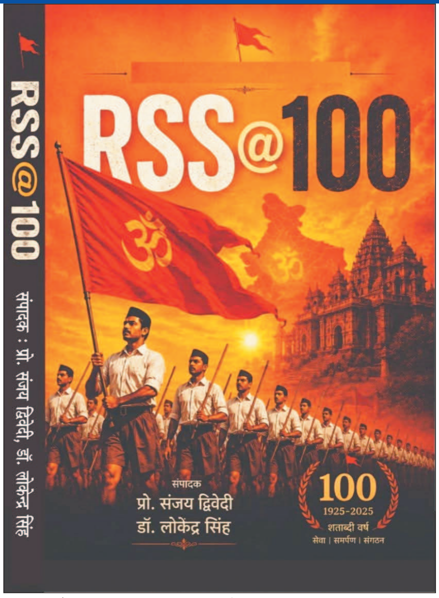

संघ पर लगने वाले जातिगत आरोपों पर उनका तर्क है कि संघ में कुछ पाने की नहीं, देने की भावना होती है, और यही संघ के सामाजिक स्वरूप को समझने की कुंजी है। इसमें किसी भी जाति का व्यक्ति शामिल होकर भारत माता की सेवा कर सकता है। संवाद की परंपरा पर वे लिखते हैं कि संघ अपने विरोधी विचारधारा के लोगों से भी संवाद करता है और समय-समय पर उनका सम्मान भी करता रहा है। उदाहरण के रूप में वे पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, वैज्ञानिक डॉ. कस्तूरीरंगन और नोबेल विजेता कैलाश सत्यार्थी के नाम गिनाते हैं। अंत में लेखक निवेदन करते हैं कि जिनके मन में संघ को लेकर प्रश्न हैं, वे संघ को निकट से देखें, समझें और स्वयं निष्कर्ष निकालें।

इसी संवादी स्वर को डॉ. शाहिद अली का आलेख 'संघ का राष्ट्रवाद और हम' आगे बढ़ाता है। अली संघ के राष्ट्रवाद को सांस्कृतिक बताते हैं और संघ को देश का अकेला ऐसा सांस्कृतिक संगठन कहते हैं जिसने सौ वर्ष की यात्रा पूरी की है। वे सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी के उस आग्रह की चर्चा करते हैं जिसमें वे राष्ट्रीय सौहार्द और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के सम्मेलनों में संवाद पर बल देते हैं। लेखक इस सिलसिले को समाज के लिए लाभकारी मानते हैं।

इस पुस्तक में संघ के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों, जैसे शाखा, गणवेश, सदस्यता, महिलाओं की भूमिका (राष्ट्र सेविका समिति, 1936) और संघ से जुड़े संगठनों की स्थिति, के सीधे उत्तर दिए गए हैं। पुस्तक की यही खासियत इसे साधारण स्मारक-ग्रंथ से अलग बनाती है।

पुस्तक को क्यों पढ़ें?

1. संघ के बारे में क्रमबद्ध जानकारीः संघ की स्थापना-कथा, शिक्षा, सेवा, महिलाएँ, युवा शक्ति, गौ सेवा, पर्यावरण, पंच परिवर्तन, हिन्दुत्व, राष्ट्रवाद और सोशल मीडिया तक, सब कुछ एक ही पुस्तक में सिमटा है।

2. भ्रांतियों पर सीधा संवादः 'कुछ भ्रांतियाँ एवं वस्तुस्थिति' जैसे आलेख और 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' (FAQ) वाला परिशिष्ट संघ से जुड़े कठिन प्रश्नों से कतराते नहीं, बल्कि उन्हें सीधे सामने रखकर उनके उत्तर देते हैं।

3. संदर्भ की सुविधाः 'सौ साल की यात्रा के घटनाक्रम' में 1925 से 2016 तक की प्रमुख तिथियाँ एक जगह मिलती हैं, जो शोध और जानकारी दोनों में काम आएँगी।

4. नए पाठक के लिए प्रवेश-द्वारः शाखा, गणवेश, सदस्यता और महिलाओं की भूमिका जैसे बुनियादी सवालों के सरल उत्तर बिना भारी शब्दावली के दिए गए हैं।

5. मीडिया के विद्यार्थियों के लिए केस-स्टडीः सोशल मीडिया वाला अध्याय किसी संगठन के पारंपरिक और डिजिटल संवाद के रिश्ते को समझने का अच्छा उदाहरण है।

6. सहज भाषा और संक्षिप्त आलेखः पुस्तक को कहीं से भी पढ़ना शुरू किया जा सकता है और हर आलेख अपने-आप में पूरा है।

7. कुल मिलाकर 'आरएसएस@100' संघ की सौ वर्ष की यात्रा का भावपूर्ण दस्तावेज है और 2026 में संघ की नई यात्रा को समझने की एक उपयोगी खिड़की भी।

(लेखक समीक्षक, आईआईएमटी विश्वविद्यालय मेरठ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।)

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में कृषक उन्नति योजना से फसल विविधीकरण को मिल रहा बढ़ावा, किसानों के लिए खुल रहे आय के नए अवसर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-सरगुजा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित कर रही है। राज्य शासन की कृषक उन्नति योजना किसानों को परंपरागत धान की खेती के साथ वैकल्पिक एवं अधिक लाभकारी फसलों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है। योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि से किसानों को खेती में नए प्रयोग करने और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने का अवसर मिल रहा है। इसी पहल से प्रेरित होकर सरगुजा जिले के युवा किसान अभिषेक सिंह ने धान के स्थान पर अदरक की खेती अपनाकर फसल विविधीकरण की दिशा में कदम बढ़ाया है।

सरगुजा जिले की दरिमा तहसील अंतर्गत ग्राम लिबरा निवासी युवा किसान अभिषेक सिंह, पिता श्री मदन सिंह, पूर्व में अपनी कृषि भूमि पर मुख्य रूप से धान की खेती करते थे। इस वर्ष उन्होंने अपनी लगभग आधा एकड़ भूमि में धान के स्थान पर अदरक की फसल लगाई है। अभिषेक सिंह को उम्मीद है कि अदरक की खेती से उन्हें धान की तुलना में बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। उनका यह प्रयास दर्शाता है कि शासन की प्रोत्साहन योजनाओं से प्रेरित होकर किसान परंपरागत खेती के साथ नई संभावनाओं की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

अदरक की खेती से बेहतर आमदनी की उम्मीद : युवा किसान अभिषेक सिंह बताते हैं कि खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए नई फसलों और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाना आवश्यक है। इसी सोच के साथ उन्होंने इस वर्ष धान के स्थान पर अदरक की खेती करने का निर्णय लिया। उन्हें उम्मीद है कि अदरक की अच्छी पैदावार और बाजार में उचित मूल्य मिलने से उनकी आमदनी बढ़ेगी। हालांकि, फसल की बिक्री के बाद ही वास्तविक लागत और मुनाफे का आकलन हो सकेगा। उनका मानना है कि शासन की ओर से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि किसानों को वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाने के लिए अतिरिक्त आर्थिक संबल प्रदान करती है।

प्रति एकड़ 15 हजार रुपये तक प्रोत्साहन राशि का मिलेगा लाभ : कृषक उन्नति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अभिषेक सिंह दरिमा स्थित सहकारी समिति में पंजीयन कराने पहुंचे। उन्होंने बताया कि जिस भूमि पर पहले धान की खेती करते थे, उसी भूमि पर इस वर्ष अदरक की फसल लगाई है। योजना के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों एवं पात्रता के अनुसार धान के स्थान पर वैकल्पिक फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपये तक प्रोत्साहन राशि का लाभ मिल सकता है। अभिषेक सिंह को भी पंजीयन एवं पात्रता संबंधी प्रक्रिया पूर्ण होने पर योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है।

सहकारी समितियों में पंजीयन जारी, किसानों को किया जा रहा जागरूक : कृषक उन्नति योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र किसानों तक पहुंचाने के लिए सरगुजा जिले की सभी सहकारी समितियों में पंजीयन का कार्य जारी है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को योजना के प्रावधानों, पात्रता और फसल विविधीकरण से होने वाले लाभों की जानकारी दी जा रही है। किसानों को धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाने तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पंजीयन कराने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

राज्य शासन की मंशा है कि किसान परंपरागत खेती के साथ स्थानीय जलवायु, मिट्टी और बाजार की मांग के अनुरूप लाभकारी फसलों को अपनाएं, जिससे कृषि उत्पादन में विविधता आने के साथ उनकी आय में भी वृद्धि हो सके। सरगुजा के युवा किसान अभिषेक सिंह की पहल इसी दिशा में एक सकारात्मक उदाहरण है।

जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे कृषक उन्नति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अपनी नजदीकी सहकारी समिति से संपर्क कर पात्रता एवं पंजीयन संबंधी जानकारी प्राप्त करें और निर्धारित समय-सीमा में पंजीयन सुनिश्चित कराएं। फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने की यह पहल किसानों की आर्थिक आत्मनिर्भरता और प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

सनातन संस्कृति में कठिन व्रतों का भार महिलाओं पर ही क्यों?

प्रो.डॉ. मनमोहन प्रकाश

सनातन संस्कृति में व्रत और उपवास केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि ये श्रद्धा, आत्मसंयम, त्याग और पारिवारिक मंगलकामना के गहरे प्रतीक हैं। करवा चौथ, हरतालिका तीज, वट सावित्री, जीवित्पुत्रिका (जिउतिया), अहोई अष्टमी और छठ जैसे पर्वों पर महिलाएँ कठिन नियमों का पालन (निर्जला तक) करते हुए व्रत रखती हैं। कहीं पति की दीघार्यु की कामना है, तो कहीं संतान की सुख-समृद्धि और परिवार के कल्याण का संकल्प है तो कहीं प्रकृति का सम्मान। इन परंपराओं के बीच एक प्रश्न सहज ही उठता है—आखिर सनातन संस्कृति में कठिन व्रतों का भार मुख्यत: महिलाओं पर ही क्यों है?

इस प्रश्न का उत्तर हमारी प्राचीन धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ ऐतिहासिक सामाजिक व्यवस्था में भी निहित है। भारतीय समाज में परिवार की सुख-शांति, पोषण और आपसी संबंधों को बनाए रखने की धुरी पारंपरिक रूप से महिलाओं को माना गया है। इसी सामाजिक भूमिका के साथ धीरे-धीरे कई व्रत और अनुष्ठान जुड़ते चले गए। समय के बीतने के साथ-साथ श्रद्धा, पारिवारिक अपेक्षाओं और सामाजिक मान्यताओं ने इन परंपराओं को इतना मजबूत कर दिया कि कई व्रत केवल धार्मिक आस्था न रहकर महिलाओं के लिए एक सामाजिक दायित्व भी बन गए।

इसका एक बेहतरीन उदाहरण छठ पर्व है। सूर्य और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाला यह महापर्व लोक-आस्था, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता का अनुपम प्रतीक है। इसमें व्रती कई दिनों तक कठिन नियमों का पालन करते हैं और निर्जला उपवास जैसे कठिन अनुशासन से गुजरते हैं। यद्यपि आज समाज में पुरुष भी बढ़-चढ़कर छठ का व्रत रख रहे हैं, फिर भी परिवारों में महिलाओं की केंद्रीय भागीदारी आज भी विशेष रूप से दिखाई देती है। यह पर्व केवल व्यक्तिगत साधना का नहीं, बल्कि प्रकृति, परिवार और समाज के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व का एक सशक्त संदेश देता है।

तथ्य यह भी है कि सनातन परंपरा में तपस्या और उपवास का एकाधिकार केवल महिलाओं के पास नहीं है। पुरुष भी एकादशी, महाशिवरात्रि, प्रदोष और अन्य धार्मिक अवसरों पर पूरे नियम-निष्ठा के साथ उपवास रखते हैं,पर वे उतने कठोर नहीं है। फिर भी, पति की दीघार्यु और संतान के कल्याण के लिए महिलाओं से विशेष रूप से व्रत रखने की जो अपेक्षा की जाती है, उस पर आज पुनर्विचार आवश्यक है। यदि एक पत्नी अपने जीवनसाथी के मंगल के लिए उपवास करती है, तो क्या यह उचित नहीं कि पति भी पत्नी के स्वास्थ्य, सम्मान और दीघार्यु के प्रति वैसी ही संवेदनशीलता और सहभागिता प्रदर्शित करे? आखिर परिवार के प्रति प्रेम और उत्तरदायित्व किसी एक का नहीं, बल्कि दोनों की साझा जिम्मेदारी है।

व्रत तभी सार्थक और आनंददायी है, जब वह स्वेच्छा, श्रद्धा, विश्वास और अतंर-आत्मा की आवाज पर किया जाए। यदि किसी महिला पर पारिवारिक एवं सामाजिक दबाव हो या उसके मन में यह भय बैठा दिया जाए कि व्रत न रखने से परिवार पर कोई संकट आ जाएगा, तो आस्था के साथ अनावश्यक भय और अपराधबोध जुड़ जाता है। जबकि धर्म का मूल उद्देश्य मनुष्य को मानसिक संबल देना है, न कि उसे भयभीत करना। इसके अलावा, स्वास्थ्य की दृष्टि से भी प्रत्येक व्यक्ति की शारीरिक क्षमता, आयु और जीवन-परिस्थितियों का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है।

सनातन संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत इसकी जीवंतता, उदारता और निरंतर आत्ममंथन की क्षमता रही है। परंपराओं का पूर्ण सम्मान करते हुए उनमें निहित प्रेम, त्याग और मंगलकामना के भाव को स्त्री-पुरुष दोनों के जीवन में समान रूप से उतारना ही आज के समय की माँग है। यह हर्ष का विषय है कि आज के आधुनिक युग में कई जोड़े इन परंपराओं को आपसी सहभागिता और साझा संकल्प के रूप में अपना रहे हैं।

व्रत का वास्तविक उद्देश्य केवल भूखे रहना या उपवास करना नहीं, बल्कि मन और इंद्रियों पर संयम, समाज में सद्भाव और पारिवारिक आत्मीयता को मजबूत करना है। जब आस्था के साथ समानता जुड़ेगी, त्याग के साथ सहभागिता होगी और परंपरा के साथ विवेक का तालमेल बैठेगा, तभी इन व्रतों का आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश आज के समाज में और अधिक व्यापक व सार्थक हो सकेगा।

कविता का कोना

करवा चौथ प्रेम का उत्सव

रिश्तों का वादा,
अटूट प्रेम और विश्वास का एक बंधन,
सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है
करवा चौथ,
निष्ठा और प्रेम का पावन दस्तावेज है।

ज़िंदगी के समर्पण का,
रिश्तों में नवीनता का भाव है,
करवा चौथ प्रेम का उत्सव है।

सुबह की सादगी, विश्वास की थाली,
सोलह श्रृंगार, मेहँदी की लाली,
दिन भर का निर्जल व्रत,
सिर्फ एक प्रार्थना – प्रियतम की
सलामती।

चांदनी रात, नए आस का,
रिश्तों में मिठास का पर्व है,
एक दूसरे के प्रति कृतज्ञता जताने का,
जीवन भर साथ निभाने का,
यह बंधन का पर्व है।

करवा चौथ केवल व्रत नहीं,
यह समर्पण की नींव है,
चांद के दीदार के बहाने,
पति से प्रेम का संदेश है,
रिश्तों में अपना-पन का उत्सव है।

जब दिया जलता है हाथों में,
और चाँद उतरता है आँखों में,
तब समझ आता है,
प्रेम सिर्फ शब्द नहीं,
एक जीवन भर का संकल्प है।

करवा चौथ है तो,
प्रेम अमर है,
रिश्ते अटूट हैं,
और भारतीय संस्कृति का
सबसे सुंदर उत्सव जीवित है।

लक्ष्मीनारायण लहरे 'साहिल'
वरिष्ठ साहित्यकार ,पत्रकार
सारंगढ़ छत्तीसगढ़

करवा चौथ यानी पति की लम्बी उम्र के लिए रखे जाने वाले व्रत का दिन होता है। छांदोग्य उपनिषद् के अनुसार चंद्रमा में पुरुष रूपी ब्रह्मा की उपासना करने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। इससे जीवन में किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होता है। साथ ही साथ इससे लंबी और पूर्ण आयु की प्राप्ति होती है। करवा चौथ के व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय, गणेश तथा चंद्रमा का पूजन करना चाहिए। चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर पूजा होती है। पूजा के बाद मिट्टी के करवे में चावल, उड़द की दाल, सुहाग की सामग्री रखकर सास अथवा सास के समकक्ष किसी सुहागिन के पांव छूकर सुहाग सामग्री भेंट करनी चाहिए।

अखंड सुहाग का वरदान मांगने का दिन

कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाने वाला त्योहार करवा चौथ एक ऐसा पावन दिन है जब पति की आयु के लिए की गई प्रार्थना प्रभु स्वीकार करते हैं और यही विवाहिता के लिए बड़ा वरदान है। चौथ के एक दिन पहले ही महिलाएं मेहंदी लगवाकर अपनी सजी हथेली से पूजन करती हैं। करवा चौथ नजदीक आते ही महिलाओं के मन में एक अजीब-सी हलचल होने लगती हैं। उनका मन साज-श्रृंगार करने के लिए लालायित होने लगता है। महिलाएं इस त्योहार की तैयारी महीनों पहले से ही करने लगती हैं। परंपरा, फैशन और आधुनिकता के अनुरूप सजने-संवरने के लिए महिलाएं, कुंवारी कन्याएं तरह-तरह के सजने-संवरने के सामान को बाजार से समेटकर ले आती हैं और इस आने वाले पर्व का इंतजार करती हैं। करवा चौथ के दिन महिलाएं विशेष रूप से श्रृंगार करती हैं। फैशन के इस दौर में भी महिलाएं इस पर्व पर पारंपरिक रूप से ही तैयार होती हैं। कुछेक महिलाएं इस दिन विवाह के समय दी गई चुंदड़ी भी ओढ़ती हैं।

जिस घर में नवविवाहिता बहू होती है उसके पहले करवा चौथ पर कुछ परिवारों में मायके से ससुराल में उपहारस्वरूप वस्त्र और श्रृंगार का सामान भिजवाया जाता है, जिसे पहनकर ही नवविवाहिता यह पूजा करती है। इस दिन नवविवाहिताओं को बस इंतजार रहता है शरमाकर बादलों के घूँघट में छिपे चंद्रमा का सुंदर मुखड़ा देखने का। उन्हें न भूख, न प्यास का अहसास होता है। उनके मन में तो बस करवा चौथ की उमंग होती है। करवा चौथ के दिन छोटी बहू, परिवार की बड़ी बहू या फिर सास को करवा और मिष्ठान्न प्रदान कर अखंड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद लेती है। वर्ष में एक बार मनाए जानेवाले करवा चौथ के दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और सलामती के लिए चौथमाता से मुराद मांग कर इस पर्व को सार्थक करती हैं। करवा चौथ के दिन लाल रंग के परिधान पहनने का अपना अलग ही महत्व है, क्योंकि लाल रंग शुभ व सुहाग का प्रतीक माना जाता है, अत: इस पर्व पर सामान्यत: इसी रंग के परिधान पहने जाते हैं। समय में आए बदलाव के अनुसार अब पुरुष भी अपनी पत्नी के लिए करवा चौथ का व्रत रखते हैं और अपनी पत्नी की भावनाओं, उनकी आकांक्षाओं का ख्याल रखते हुए दोनों एक-दूजे के साथ-साथ, एक-दूजे के हाथ से व्रत का समापन करते हैं। यह दिन पति-पत्नी दोनों के लिए बहुत मायने रखता है, क्योंकि यह व्रत रिश्तों को मजबूत बनाता है। यही वजह होती है कि करवा चौथ के दिन पत्नी द्वारा ईश्वर से अपने सुहाग और घर की सुख-समृद्धि के लिए की गई प्रार्थना पति की जिंदगी में पत्नी की अहमियत को और बढ़ा देती है। दिल को छू जाने वाले यही अहसास परिवार के रिश्ते को मजबूत बनाता हैं।

क्या आप जानते हैं कितना पुराना है करवा चौथ का व्रत

करवा चौथ शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है, करवा यानी मिट्टी का बरतन और चौथ यानि चतुर्थी। इस त्योहार पर मिट्टी के बरतन यानी करवे का विशेष महत्व माना गया है। सभी विवाहित स्त्रियां साल भर इस त्योहार का इंतजार करती हैं और इसकी सभी विधियों को बड़े श्रद्धा-भाव से पूरा करती हैं। करवा चौथ का त्योहार पति-पत्नी के मजबूत रिश्ते, प्यार और विश्वास का प्रतीक है।

करवा चौथ का इतिहास : बहुत-सी प्राचीन कथाओं के अनुसार करवा चौथ की परंपरा देवताओं के समय से चली आ रही है। माना जाता है कि एक बार देवताओं और दानवों में युद्ध शुरू हो गया और उस युद्ध में देवताओं की हार हो रही थी। ऐसे में देवता ब्रह्मदेव के पास गए और रक्षा की प्रार्थना की।

ब्रह्मदेव ने कहा कि इस संकट से बचने के लिए सभी देवताओं की पत्नियों को अपने-अपने पतियों के लिए व्रत रखना चाहिए और सच्चे दिल से उनकी विजय के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। ब्रह्मदेव ने यह वचन दिया कि ऐसा करने पर निश्चित ही इस युद्ध में देवताओं की जीत होगी। ब्रह्मदेव के इस सुझाव को सभी देवताओं और उनकी पत्नियों ने खुशी-खुशी स्वीकार किया।

ब्रह्मदेव के कहे अनुसार कार्तिक माह की चतुर्थी के दिन सभी देवताओं की पत्नियों ने व्रत रखा और अपने पतियों यानी देवताओं की विजय के लिए प्रार्थना की। उनकी यह प्रार्थना स्वीकार हुई और युद्ध में देवताओं की जीत हुई। इस खुशखबरी को सुन कर सभी देव पत्नियों ने अपना व्रत खोला और खाना खाया। उस समय आकाश में चांद भी निकल आया था। माना जाता है कि इसी दिन से करवा चौथ के व्रत के परंपरा शुरू हुई

करवा चौथ के लिए पूजन सामग्री की सूची

पति के प्रति प्रेम की आत्मिक अभिव्यक्ति के लिए किया जाने वाला करवा चौथ का व्रत पिया की दीर्घायु के लिए किया जाता है। अन्न जल का त्याग कर व्रत रखकर, रात्रि समय में चांद को अर्घ्य देकर यह व्रत पूर्ण होता है। इस व्रत का सबसे अहम और दिलचस्प पहलू है, छलनी में से चांद और अपने चंदा यानि पिया को देखना, जो इस व्रत के उत्साह को बढ़ा देता है। चूंकि व्रत पति की लंबी उम्र के लिए है, इसलिए पूजन में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। इसलिए हम बता रहे हैं, पूजन सामग्री की लिस्ट जो इस व्रत व पूजन में उपयोग होती हैं। कुल मिलाकर ऐसी 34 चीजें हैं, जो इस व्रत की शुरूआत से लेकर व्रत खोलने तक उपयोग में आती हैं। पढ़कर एक बार मिलान जरूर करें, कि आपके पास कोई सामग्री कम तो नहीं है। और अगर है, तो उसे अपनी सूची में जल्दी से शामिल कर लिजिए - चंदन, शहद, अगरबत्ती, पुष्प, कच्चा दूध, शकर, शुद्ध घी, दही, मिठाई, गंगाजल, कुंकुम, अक्षत (चावल), सिंदूर, मेहंदी, महावर, कंघा, बिंदी, चुनरी, चूड़ी, बिछुआ, मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन, दीपक, रुई, कपूर, गेहूं, शकर का बूरा, हल्दी, पानी का लोटा, गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी, लकड़ी का आसन, चलनी. आठ पूरियों की अठावरी, हलुआ, दक्षिणा के लिए पैसे।

पति-पत्नी करवा चौथ पर लें यह संकल्प

वैवाहिक जीवन को स्थायित्व प्रदान करने के लिए जरूरी है, पति-पत्नी का आपसी प्रेम व विश्वास। छोटी-छोटी शिकायतों को मुस्कुराकर हल करते हुए एक-दूसरे के सहयोग से इस रिश्ते को सुदृढ़ बनाया जा सकता है। करवाचौथ, उपवास तथा पूजा के साथ आपसी रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने और एक-दूजे के प्रति सम्मान जगाने का भी प्रतीक है। इस भावना के साथ कि 'मैं तुम्हारे साथ हूं, हर परिस्थिति में, हर घड़ी'। इस करवाचौथ पर पति-पत्नी दोनों मिलकर लीजिए कुछ संकल्प और विवाह बंधन को कीजिए और मजबूत.

प्रेम इंसान के उन भावनात्मक पहलुओं की कोमल अभिव्यक्ति है, जिसमें उसका स्वतंत्र भाव समर्पित रूप से समाया हुआ है। यह किसी तराजू का तौल नहीं बल्कि सुंदर, कोमल भावनाओं का स्नेह भरा मोल है, जिसका परस्पर आदान-प्रदान आपसी संबंधों को मधुर व मजबूत बनाता है।

परखें जीवनसाथी की महत्ता

पुरुष व स्त्री सिक्के के दो पहलू के समान हैं। उनका पारस्परिक संयोग, सृजन और जीवन जैसे महत्वपूर्ण तत्वों को बनाए रखने में सक्षम है। हर शख्स का यह सुनहरा स्वप्न होता है कि वह अपने जीवनसाथी को सर्वगुण संपन्न देखे, किंतु यह स्वप्न तभी साकार हो सकता है, जब दोनों ओर से संभावनाओं की अभिव्यक्त हों। कोई भी व्यक्ति स्वयं में संपूर्ण नहीं होता, इस बात से सभी वाकिफ हैं। अत: आवश्यक है कि अपने जीवनसाथी के आवश्यक गुणों को परखें व उन्हें उचित सम्मान दें।

सुख- दुख में साथ

सुख-दु:ख में एक-दूसरे का सहभागी होना मानव का प्रथम महत्वपूर्ण कर्तव्य है। उचित समय व परिस्थिति अनुसार ही व्यक्ति की पहचान होती है। आपसी सहयोग ही संबंधों को प्रगाढ़ बनाता है। अत: हर बिंदु पर आपसी समझौते द्वारा उचित निवारण करने का प्रयास करें।

राई का पहाड़ न बनने दें

हर व्यक्ति की विचारधारा, स्वभाव उसकी व्यक्तिगत विशेषता है। कोशिश करें कि आपसी नोक-झोंक को बात का बतंगड़ या राई का पहाड़ न बनने दें। यह क्रिया आग में घी का काम करती है।

दाल-भात में मूसलचंद

जब पति-पत्नी के आपसी संबंधों के बीच कोई अन्य तीसरा व्यक्ति हर बात पर अपनी राय देने लगता है तो रिश्तों में कड़वाहट आनी शुरू हो जाती है। ऐसी परिस्थिति से बचने का उचित उपाय यह है कि पति-पत्नी दोनों ही यह महसूस करें कि वे सिर्फ एक-दूसरे के लिए हैं। और उनके बीच की प्रगाढ़ता में किसी तीसरे के लिए स्थान नहीं है। हम दोनों बने ही एक-दूजे के लिए हैं। एक-दूसरे का सुख-दु:ख हमारा अपना है। आपसी निजता व महत्ता को कायम रखें व आपसी विश्वास को सदैव तरजीह दें। लोगों से खूब घुलें-मिलें किंतु आपके निजी मसलों में बोलने का हक किसी को भी न दें।

वादे पूरे करें

यह जन्म-जन्मांतर का अटूट प्रेम बंधन तभी जीवंत रह सकता है जबकि आपने सच्चे वायदे पूरे करने की कसम खाई हो व उसे साकार रूप प्रदान किया हो। प्यार की यह नाजुक डोर विश्वास, आपसी प्रेम व सामंजस्य से जुड़ी होती है। ऐसे में अन्य किसी के सामाजिक-पारिवारिक दबाव में आकर जीवनसाथी से धोखा करना सरासर बेईमानी है। इससे आपसी विश्वास को ठेस पहुंचती है। इन सारे संकल्पों को आत्मसात कर लें। याद रखिए करवाचौथ का असली महत्व तभी सार्थक होगा, जब आप दोनों निश्चिंत होकर एक-दूसरे के सहयोग से अपनी दुनिया सजाएंगे।

इस साल करवा चौथ पर कब निकलेगा चांद

सुहाग से जुड़े सभी व्रतों में करवा चौथ विशेष है। इसे हर साल कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और तरक्की के लिए निर्जला उपवास रखती हैं, जिसका पारण चांद निकलने पर किया जाता है। करवा चौथ मुख्य रूप से पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में मनाया जाता है, जो सभी सुहागिनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सुहागिनें इस दिन की तैयारी महीने भर पहले से शुरू कर देती हैं। इस दौरान बाजारों में इसकी अलग रौनक देखने को मिलती है।

करवा चौथ पर करवा माता की पूजा का विधान है। ऐसे में व्रत कथा सुनने और माता की पूजा करने से अखंड सौभाग्यवती का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही उनका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहता है। इस बार करवा चौथ पर व्यतीपात योग बन रहा है। इस योग में पूजा करने से सुखी परिवार का आशीर्वाद मिलता है। ऐसे में आइए इस दिन चांद निकलने के समय से लेकर पूजा विधि के बारे में जानते हैं।

करवा चौथ 2026 तिथि

करवा चौथ का व्रत 29 अक्तूबर 2026, गुरुवार को रखा जाएगा।

चतुर्थी तिथि आरंभ : 29 अक्तूबर 2026 को सुबह 01-06 बजे से

चतुर्थी तिथि समाप्त : 29 अक्तूबर 2026 को रात 10-09 बजे तक

करवा चौथ शुभ मुहूर्त और चंद्रोदय समय

पूजा मुहूर्त : शाम 5 :38 बजे से 6 :56 बजे तक

व्रत अवधि : सूर्योदय से चंद्रोदय तक

चंद्रोदय : रात करीब 8 :17 बजे

करवा चौथ व्रत के नियम और सावधानियां

ज्योतिष के जानकारों की मानें तो इस बार करवा चौथ का ये व्रत हर सुहागिन की जिंदगी संवार सकता है, लेकिन इसके लिए इस दिव्य व्रत से जुड़े नियम और सावधानियों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइए हम बताते हैं कि इस अद्भुत संयोग वाले करवा चौथ के व्रत में क्या करें और क्या ना करें -

- केवल सुहागिनें या जिनका रिश्ता तय हो गया हो वही स्त्रियां ये व्रत रख सकती हैं।
- व्रत रखने वाली स्त्री को काले और सफेद कपड़े कतई नहीं पहनने चाहिए।
- करवा चौथ के दिन लाल और पीले कपड़े पहनना विशेष फलदायी होता है।
- करवा चौथ का व्रत सूर्योदय से चंद्रोदय तक रखा जाता है।
- ये व्रत निर्जल या केवल जल ग्रहण करके ही रखना चाहिए।
- इस दिन पूर्ण श्रृंगार और अच्छा भोजन करना चाहिए।
- पत्नी के अस्वस्थ होने की स्थिति में पति भी ये व्रत रख सकते हैं।

करवा चौथ पूजा के 5 फलदायी मंत्र

कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है। इसे चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी (अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है) कहा जाता है। उस दिन सुहागिन महिलाएं अपने सुहाग की लंबी आयु, अच्छा आरोग्य तथा सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहकर उपवास करती है। इस दिन भगवान शिव तथा मां पार्वती, स्वामी कार्तिकेय तथा भगवान श्रीगणेश एवं चंद्रमा का पूजन करने का विधान है। इनके पूजन के दौरान निम्न मंत्रों का जाप करना विशेष फलदायी रहता है। अत: करवा चौथ के दिन इन मंत्रों का जाप अवश्य किया जाना चाहिए। करवा चौथ व्रत पूजा के मंत्र.

- पार्वतीजी का मंत्र - ऊँ शिवायै नम:
- शिव का मंत्र - ऊँ नम: शिवाय
- स्वामी कार्तिकेय का मंत्र - ऊँ षण्मुखाय नम:
- श्रीगणेश का मंत्र - ऊँ गणेशाय नम:
- चंद्रमा का पूजन मंत्र - ऊँ सोमाय नम:

ओटीटी के आने से कलाकारों को मिल रहे बेहतर मौके

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। यह शुक्रवार, 23 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ दिव्या दत्ता और श्रद्धा दास भी हैं। यह वही फिल्मो है, जो इसी साल फरवरी में अपने टाइटल 'घूसखोर पंडत' को लेकर विवादों में रही थी। अब नए नाम के साथ फिल्म आई है। इस बीच मनोज बाजपेयी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों तक सीमित रखने की सोच पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री ने कई टैलेंटेड एक्टर्स को सही मौके न देकर उनका टैलेंट बर्बाद कर दिया। उन्होंसने कहा कि यह इंडस्ट्री के 'बुरे कर्म' हैं, जो एक्टर्स को तबाह कर देती है। खुद अपने बारे में उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिभा का 25 प्रतिशत हिस्सा ही अब तक इस्तेमाल हुआ है। 'सत्या' जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचाने जाने वाले मनोज बाजपेयी ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहतरीन कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों में बांधकर उनकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने इंडस्ट्री के 'बुरे कर्मों' का जिक्र करते हुए कहा, 'इस इंडस्ट्री में कई कलाकारों को स्टीरियोटाइप किया जाता है, और ऐसा करके हमने कई बेहतरीन टैलेंट को बर्बाद कर दिया है। मैंने हमेशा कहा है कि इस इंडस्ट्री की बदनामी है और इसके सिर पर ऐसे महान कलाकारों को बर्बाद करने का बुरा कर्म है। सेट पर उन्हें कोई अहमियत न देकर, उनके किरदारों को सीमित करके और उनके साथ खराब बर्ताव करके उन्हें खत्म कर दिया गया। कई लोग तो बिना किसी पहचान के ही गुमनामी में खो गए।'

मनोज बाजपेयी का मानना है कि फिल्म निर्माता अब तक उनकी अभिनय क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। अपनी प्रतिभा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरी अभिनय क्षमता का केवल 25 प्रतिशत ही इस्तेमाल हुआ है; अभी बहुत कुछ बाकी है। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक कलाकार का लालच या उसकी भूख है, और मुझे खुशी है कि मेरे अंदर अभी भी कुछ कर दिखाने की वह आग बाकी है।' मनोज के मुताबिक, एक कलाकार के अंदर हमेशा कुछ नया करने की चाह होती है। उन्हें खुशी है कि इतने लंबे करियर के बाद भी उनके अंदर बेहतर काम करने और नए किरदार निभाने का जुनून बना हुआ है। मनोज बाजपेयी ने माना कि उन्होंने भी अपने करियर में इस तरह की सोच का सामना किया है और इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बेचैनी पूरी तरह से समझ में आती है, क्योंकि हम आज भी काफी हद तक औपनिवेशिक मानसिकता से घिरे हैं और पदानुक्रम में बहुत विश्वास करते हैं। वह मुख्य अभिनेता है, वह मुख्य अभिनेत्री है, यह एक कैरेक्टर एक्टर है, यह एक सपोर्टिंग एक्टर है, इन्हीं आधारों पर हम एक पदानुक्रम तय कर देते हैं। मैं खुद इस दौर से गुजरा हूं और मैंने व्यक्तिगत स्तर पर कई लड़ाइयां लड़ी हैं, लेकिन मुझे खुशी है कि जैसा कि दिव्या ने बिल्कुल सही कहा अब ऐसा नहीं है।'

मनोज बाजपेयी का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आने से फिल्म इंडस्ट्री में धीरे-धीरे बदलाव हो रहा है। अब छोटे या सहायक किरदार निभाने वाले कलाकारों को भी अपना टैलेंट दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं। मनोज ने कहा, 'पहले, छोटे या सपोर्टिंग रोल करने वाले कई एक्टर्स के साथ काफी नाइंसाफी होती थी, लेकिन अब हालात काफी बेहतर हैं। कई प्रड्यूसर्स अब इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि सभी को एक जैसा सम्मान और मौके मिलें। खासकर ओटीटी के आने के बाद से चीजें पूरी तरह बदल गई हैं। हमें अपने देश में ओटीटी के आने का शुक्रगुजार होना चाहिए।'

दर्शक अब कहानियों और किरदारों को बारीकी से समझते हैं

ओटीटी के प्रभाव पर बात करते हुए मनोज ने कहा, 'आज परिवार साथ बैठकर कंटेंट देख रहे हैं। वे बहुत बारीकी से चीजों को समझते हैं और उन पर विस्तार से बात करते हैं। उदाहरण के लिए, जब मैं किसी डीएम (डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) या उनके परिवार के साथ बैठता हूं, तो वे जिस तरह से किसी किरदार और कहानी की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, वह वाकई हैरान कर देने वाला होता है। उन्हें बिल्कुल पता होता है कि कहां क्या कमी रह गई। किसी भी क्रिटिक की समीक्षा सुनने के बजाय, मुझे इन आम दर्शकों की बातें सुनना कहीं ज्यादा अच्छा लगता है।' मनोज के मुताबिक, आज दर्शक फिल्मों और वेब सीरीज को पहले से ज्यादा ध्यान से देखते हैं। वे कहानियों और किरदारों की बारीकियों को समझते हैं और अपनी राय खुलकर रखते हैं।

डिजिटल क्रिएटर से एक्ट्रेस बनने तक का सफर

दर्शकों का प्यार देता है कॉन्फिडेंस

एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में डिजिटल क्रिएटर से फिल्मों तक के अपने सफर और दर्शकों से मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े लोगों की वजह से उन्हें प्रोफेशनल लाइफ में एक अलग तरह का कॉन्फिडेंस मिलता है। एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने कहा कि जब वह बड़े कलाकारों के साथ फिल्मों में काम करती हैं, तो उनके मन में यह चिंता नहीं रहती कि दूसरे लोग उन्हें पसंद करेंगे या नहीं। इसके बजाय वह चाहती हैं कि जो दर्शक उनकी फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, उन्हें भी उनका काम पसंद आए।

प्राजक्ता ने कहा, 'ज्यादातर जगहों पर मैं थोड़े कॉन्फिडेंस के साथ जाती हूं, क्योंकि सोशल मीडिया पर मेरी अपनी कम्युनिटी है। मैं यह बात विनम्रता के साथ कहना चाहती हूं कि मुझे जो काम मिला है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। जब मैं 'जुगजुग जिओ' कर रही थी, तब वह मेरी सबसे बड़ी फिल्म थी। उसमें बड़े कलाकार और शानदार स्टारकास्ट थी। लेकिन, मेरे दिमाग में यह नहीं था कि पता नहीं वे लोग मुझे पसंद करेंगे या नहीं।' उन्होंने कहा, ''मेरी सोच यह थी कि जो लोग फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, वे मुझे पसंद करें। मैं चाहती थी कि दर्शकों को मेरा काम अच्छा लगे, लेकिन इसके लिए दूसरे कलाकारों की अहमियत कम नहीं होनी चाहिए।'' प्राजक्ता ने बताया कि 'जुगजुग जिओ' के सेट पर अनिल कपूर, नीतू कपूर, कियारा आडवाणी, करण जौहर, मनीष पॉल और वरुण धवन समेत सभी लोगों ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया। एक्ट्रेस ने कहा, ''डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से मिले प्यार ने मुझे फिल्मों में काम करते समय भी आत्मविश्वास दिया। मेरे लिए यह जरूरी है कि मैं अपने काम से उन लोगों का दिल जीत सकूं, जो लंबे समय से मुझे फॉलो कर रहे हैं और अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर मेरे काम को देखते हैं।''

करण टैकर ने शुरू की नए प्रोजेक्ट की शूटिंग!

मुंबई एक्टर करण टैकर ने अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग स्कॉटलैंड में शुरू कर दी है और इसकी पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। करण ने शूट के पहले दिन की बिहाइंड द सीन्स तस्वीर पोस्ट करते हुए एक ऐसा नोट लिखा, जिसने उनके नए सफर को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। तस्वीर शेयर करते हुए करण ने लिखा, 'एक नया प्रोजेक्ट, एक नया चैप्टर और एक बड़ा रिस्क। अभी ज्यादा कुछ नहीं बता सकता, लेकिन कभी-कभी सबसे बड़े रिस्क ही सबसे रोमांचक सफर की शुरुआत करते हैं। अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है।' करण की इस पोस्ट में शूटिंग के शुरुआती दिनों की झलक देखने को मिली। हालांकि, उन्होंने फिलहाल प्रोजेक्ट से जुड़ी डिटेल्स को सीक्रेट ही रखा है, लेकिन उनके कैप्शन से साफ है कि वह इस नई शुरुआत को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। स्कॉटलैंड में कैमरा रोल हो चुका है और अब फैंस को इंतजार है कि आखिर इस बार करण क्या नया लेकर आने वाले हैं। इस बार करण का लुक भी काफी बदला-बदला नजर आ रहा है। बढ़े हुए बाल और घनी दाढ़ी के साथ उनका रफ-टफ अंदाज चर्चा में है। नए प्रोजेक्ट के साथ उनका यह नया लुक भी फैंस की उत्सुकता बढ़ा रहा है। हालांकि, प्रोजेक्ट की कहानी और बाकी कलाकारों को लेकर अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। वर्कफ्रंट की बात करें तो स्कॉटलैंड में शूटिंग शुरू होने के साथ करण टैकर के पास कई और प्रोजेक्ट्स भी पाइपलाइन में हैं। यानी आने वाला वक्त उनके लिए काफी बिजी और दिलचस्प रहने वाला है। फिलहाल, फैंस को करण के अगले अपडेट का इंतजार करना होगा, क्योंकि इस नए प्रोजेक्ट के पत्ते अभी पूरी तरह खुले नहीं हैं!

रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सेंट की आलोचनाओं पर दिया जवाब

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हाल ही में अपने पति और चर्चित एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर होने वाली अपनी आलोचनाओं पर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वे ऑनलाइन होने वाली ट्रोलिंग को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सेंट की आलोचनाओं पर जवाब देते हुए कहा है कि उनसे यह उम्मीद करना गलत है कि वे साउथ इंडियन न लगें। वे इस इलाके से आती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वे अपनी डायलॉग डिलीवरी पर टिप्पणियों को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। रश्मिका ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साउथ इंडियन एक्सेंट को प्रॉब्लम क्यों माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे इससे कोई खास दिक्कत नहीं थी, क्योंकि उन्होंने कहा कि मेरा साउथ इंडियन एक्सेंट है, लेकिन मैं साउथ इंडिया से हूं। इसलिए मेरा एक्सेंट तो होगा ही। इसके अलावा कुछ और सोचना गलत है'। अभिनेत्री ने कहा कि अगर कोई डायरेक्टर यह मानता है कि किसी दूसरे आर्टिस्ट की आवाज किसी किरदार पर ज्यादा सूट करेगी तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। हालांकि, उनके डायरेक्टर्स ने अब तक यही पसंद किया है कि वह खुद के लिए डब करें।

एक्शन ड्रामा फिल्म 'प्रताप' में नजर आएंगी ईशा देओल

ईशा देओल, फिल्म 'प्रताप' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस आगामी एक्शन ड्रामा के निर्माताओं ने ईशा देओल का कैरेक्टर पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह पूनम के किरदार में नजर आ रही हैं। पूनम की कहानी जीवन में आने वाले अप्रत्याशित मोड़ों, आत्मखोज और मुश्किल हालात में सामने आने वाली अंदरूनी ताकत को दर्शाने का वादा करती है। पूनम के लिए उसका परिवार ही उसकी पूरी दुनिया है और उसने अपनी जिंदगी उन रिश्तों और विश्वास के आधार पर बनाई है, जो उसके लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। लेकिन तब क्या होता है, जब जिस सच्चाई पर उसने हमेशा भरोसा किया, वही बिखरने लगती है? ऐसे हालात का सामना करते हुए, जो उसके विश्वास और सोच को चुनौती देते हैं, पूनम को अपने पैरों पर खड़े होकर उस ताकत को पहचानना होगा, जिससे वह अब तक अनजान थी। हालांकि, उसके सफर से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन उसका किरदार एक ऐसे भावनात्मक बदलाव की ओर इशारा करता है, जो उसकी अब तक की पहचान से कहीं आगे जाती है। ईशा देओल का यह कैरेक्टर पोस्टर हाल ही में जारी किए गए फिल्म के मोशन पोस्टर के बाद सामने आया है, जिसमें अमित साध एक जांबाज एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के किरदार में नजर आए हैं, जो खुद कानून के दूसरी तरफ खड़ा हो जाता है। सत्ता, न्याय और अपने फैसलों के परिणामों की पड़ताल करती 'प्रताप' की कहानी में जहाँ व्यक्तिगत संघर्षों के साथ-साथ हाई-स्टेक्स ड्रामा भी देखने को मिलेगा, वहीं, पूनम का सफर फिल्म की कहानी में एक मजबूत भावनात्मक पहलू जोड़ता है। सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म में अमित साध और ईशा देओल के अलावा तिग्मांशु धूलिया, सीमा बिस्वास और मिलिंद गुणाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

05 फरवरी को दस्तक देगी हर्षवर्धन राणे की 'सिला'

नए साल में हर्षवर्धन राणे के नए तेवर देखने को मिलने वाले हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'पुलिस कंपनी' की रिलीज डेट का एलान किया गया था। यह फिल्म अगले साल जून में दस्तक देगी। इस बीच एक और फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है। अभिनेता की आगामी फिल्मों की लिस्ट में 'सिला' का नाम भी शामिल है। हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'सिला' एक्शन से भरपूर एक रोमांटिक फिल्म है। आज इस फिल्म का पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसमें हर्षवर्धन इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। यह अगले साल मोहब्बत वाले महीने यानी फरवरी में रिलीज होगी। पोस्ट के जरिए मिली जानकारी के मुताबिक, यह फिल्म 05 फरवरी 2027 को रिलीज होने वाली है।

कल्पना से भी परे होगी कहानी

फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने इसकी कहानी को लेकर संकेत दिया है। यह सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर एक्शन-रोमांटिक फिल्म होगी। पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, 'किस्मत से परे प्यार। हद से परे एक सफर और कल्पना से भी परे एक कहानी। 'सिला' की तलाश शुरू।

कौन-कौन होगा फिल्म का हिस्सा

बता दें कि फिल्म 'सिला' का निर्देशन उमंग कुमार ने किया है। इसमें 'बिग बॉस 18' के विजेता करण वीर मेहरा भी नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे फिल्म में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे। 'सिला' फिल्म में हर्षवर्धन को विराट नाम के किरदार में देखा जाएगा। वहीं, सादिया खतीब भी फिल्म का हिस्सा हैं।

राज्योत्सव और धान खरीदी की तैयारियों की कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने की समीक्षा

छत्तीसगढ़ की संस्कृति, विकास और स्वाभिमान का उत्सव है राज्योत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों, स्कूली बच्चों व महिला स्व-सहायता समूहों को दी जाए प्राथमिकता

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) की बैठक ली। बैठक में जिले में आगामी छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस -राज्योत्सव 2026 के गरिमामय आयोजन से लेकर धान खरीदी की तैयारियों एवं विभागों में लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि राज्योत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, विकास और स्वाभिमान का उत्सव है। इस वर्ष राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, इसलिए इसका आयोजन अत्यंत गरिमा, भव्यता और के साथ होना चाहिए।

उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को महती जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने विभागीय उपलब्धियों की प्रदर्शनी हेतु आकर्षक स्टॉल लगाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों, स्कूली बच्चों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को प्राथमिकता दी जाए। नगर पालिका एवं जनपद पंचायतें शहर को रोशनी, स्वच्छता और रंग-रोगन से सजाएं। सुरक्षा, पेयजल, बैठक व्यवस्था एवं पार्किंग की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अंततः कलेक्टर ने कहा कि आयोजन स्थल पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लंबित प्रकरणों पर सख्त रुख -कलेक्टर ने राजस्व, खाद्य, नगरीय निकाय, विद्युत मंडल, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा सहित सभी विभागों में लंबे समय से लंबित प्रकरणों की बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम जनता से जुड़े प्रकरणों में देरी अक्षम्य है। राजस्व विभाग के अंतर्गत नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं फौती के प्रकरणों को अभियान चलाकर तय समय सीमा के भीतर निराकरण करने निर्देशित की । उन्होंने कहा कि राजस्व शिविरों का आयोजन कर मौके पर ही निराकरण किया जाए।

इसी प्रकार खाद्य विभाग के अंतर्गत राशन कार्ड नवीनीकरण, आधार सीडिंग एवं पीडीएस दुकानों की शिकायतों का त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। नगरीय निकाय को प्रधानमंत्री आवास, नल-जल योजना, स्वच्छ भारत मिशन एवं जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लंबित आवेदनों पर विशेष ध्यान देने कहा गया। इसी प्रकार विद्युत मंडल को ट्रांसफार्मर खराबी एवं अघोषित कटौती की शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही करने प्रधानमंत्री सूर्य बिजली घर योजना का बेहतर क्रियान्वयन करने निर्देशित किया गया।महिला एवं बाल विकास को आंगनबाड़ी भवन निर्माण, पोषण आहार वितरण एवं महतारी वंदन योजना से संबंधित लंबित स्वीकृतियां की समीक्षा की गई। शिक्षा विभाग को जाति, निवास एवं छात्रवृत्ति के लंबित आवेदनों का शिविर लगाकर निराकरण करने, शिक्षकों की उपस्थिति एवं स्कूलों की साफ-सफाई पर भी जोर देने कहा गया

कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन जनदर्शन में आने वाले आवेदनों की स्वयं मॉनिटरिंग करें और टीएल पोर्टल पर अद्यतन जानकारी अनिवार्य रूप से दर्ज करें।

धान खरीदी की व्यापक तैयारी के निर्देश - बैठक का सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी रहा। कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष धान का रिकॉर्ड उत्पादन संभावित है, इसलिए तैयारी व्यापक होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी धान खरीदी केंद्रों में कांटा-बांट का सत्यापन, बारदाने की व्यवस्था, इंटरनेट कनेक्टिविटी एवं बायोमेट्रिक मशीनों की जांच पूर्ण कर ली जाए। परिवहन एवं भंडारण के लिए पर्याप्त ट्रकों की व्यवस्था एवं मिलर्स से अनुबंध की प्रक्रिया तेज की जाए। कलेक्टर ने आगे कहा कि धान खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए छाया, पेयजल, शौचालय एवं विश्राम की व्यवस्था अनिवार्य किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि टोकन व्यवस्था को पारदर्शी रखा जाए, किसी भी किसान को अनावश्यक परेशानी न हो।

इसके साथ ही अवैध धान परिवहन पर रोक लगाने हेतु राजस्व, खाद्य एवं पुलिस की संयुक्त चेकपोस्ट टीम गठित करने निर्देशित की।

खास खबर

उत्सव डेयरी पर खाद्य विभाग का औचक निरीक्षण 150 लीटर दूध को मौके पर किया नियमानुसार नष्ट

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन त्यौहारी सीजन को देखते हुए जिले में तीन चरणों में विशेष सघन प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। दीपावली त्यौहार के मद्देनजर विभाग द्वारा जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से पनीर, साबूदाना, सेवई, खाद्य तेल, बिस्किट, मसाले और मिठाइयों के 12 नमूने जांच हेतु लिए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए खाद्य परिक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है।

साथ ही होटल, ढाबा, डेयरी, मिठाई दुकान इत्यादि का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के बेरला स्थित उत्सव डेयरी पर औचक निरीक्षण के दौरान अमानक पाए गए लगभग 150 लीटर दूध को मौके पर नियमानुसार नष्ट कराया गया। अमानक पाए गए खाद्य प्रकरणों को न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। विभाग द्वारा सभी फर्म संचालकों को जागरूक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं । दिए गए निदेर्शानुसार में खाद्य प्रतिष्ठानों में अखबारी कागज का उपयोग न करें। हैण्ड ग्लब्स, हेड वियर का उपयोग करें। खाद्य पदार्थ का स्वच्छ दशा में हैंडलिंग करें। मिठाइयों में FSSAI से PERMITTED खाद्य रंग का ही उपयोग करें। मिठाइयों को ढककर रखें।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजू कुर्रे ने आमजन से अपील की है कि मिठाइयों को खरीदते समय उसकी निर्माण तिथि, अवसान तिथि की जानकारी संबंधित खाद्य कारोबारकर्ता से प्राप्त कर ही उपयोग करें। यह संपूर्ण कार्यवाही अभिहित अधिकारी आशीष कुमार यादव एवं वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजू कुर्रे एवं नमूना सहायक की टीम द्वारा की जा रही है।

बेमेतरा रोड में कंतेली से देवरबीजा के बीच सड़क में हो गए गड्ढों का किया जा रहा पेचवर्क

बेमेतरा। बेमेतरा में जनहित को ध्यान में रखते हुए पीडब्ल्यूडी विभाग ने दुर्ग बेमेतरा रोड में कंतेली से देवरबीजा तक सभी गड्ढों को सीमेंट से भरने के लिए लगातार प्रयासरत है। जिससे आवागमन सुगम और सुरक्षित हो सके, आकस्मिक सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए समय-समय पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा इस तरीके से काम किया जाता रहा है, परंतु यह पहली स्थिति नहीं है कि जब यह कार्य हो रहा है। दुर्ग से बेमेतरा जाने वाले मार्ग से भारी मालवाहक वाहनों के साथ, यात्रियों के परिवहन के लिए लगातार बस चलती है, ट्रक, ट्रैक्कर, हाईवे ,जेसीबी, हार्वेस्टर आदि भारी वाहन भी इसी रोड से गुजरते हैं, जिसकी वजह से लगातार यह रोड बरसात और बरसात के बाद आने वाले दिनों में लगातार जर्जर होती जा रही है,इस रोड पर शिवनाथ नदी को जोड़ने पुल, बीच-बीच में कई बड़े नालों पर छोटे ब्रिज भी बने हुए हैं जिनकी मरम्मत, निर्माण भी किया जाता है, क्योंकि बेमेतरा और दुर्ग को जोड़ने वाले इस मुख्य मार्ग में रोड के बीच डिवाइडर भी नहीं है, न ही इस रोड पर लाइट का समुचित व्यवस्था ही है जिस वजह से आए दिन इस रोड पर दुर्घटनाएं बनी रहती हैं। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा दुर्ग से बेमेतरा मुख्य मार्ग को नागपुर की सड़कों की तरह साफ और मजबूत बनाया गया तभी स्थिति सही होगी।

तालाबों में खिली आत्मनिर्भरता की उम्मीद : मखाना की खेती से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी

धमतरी की महिलाओं ने मखाना उत्पादन में बढ़ाए कदम, 29 एकड़ में उपज का संग्रहण शुरू

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-धमतरी

राज्य में ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और आत्मनिर्भर बनने का संकल्प अब खेती के नए क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। धमतरी जिले के तालाबों में शुरू हुई मखाना की खेती महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण की नई उम्मीद बनकर उभरी है। कभी पारंपरिक खेती और घरेलू कामकाज तक सीमित रहने वाली ग्रामीण महिलाएं अब मखाना उत्पादन, संग्रहण और प्रसंस्करण के जरिए अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जिले के ग्राम छाती और डांडेसरा में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा 29 एकड़ में उत्पादित मखाना का संग्रहण शुरू होना इसी बदलाव की महत्वपूर्ण कड़ी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में कृषि विविधीकरण और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के प्रयासों के बीच धमतरी जिले में मखाना की खेती को नया विस्तार मिल रहा है। केंद्र सरकार की सेंट्रल सेक्टर स्कीम फॉर डेवलपमेंट ऑफ मखाना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में जिले को 165 एकड़ में मखाना उत्पादन का लक्ष्य मिला था। इसके विरुद्ध जिला प्रशासन और उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में 105 एकड़ क्षेत्र में खेती शुरू की गई है। ग्राम राखी, छाती, डांडेसरा, पीपरछेड़ी और नगरी विकासखंड के सांकरा में मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

महिलाओं की मेहनत से तालाबों में तैयार हो रही समृद्धि की नई फसल : ग्राम छाती और डांडेसरा की शैलपुत्री एवं नई किरण महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य इस पहल से जुड़कर आजीविका के नए अवसर तलाश रही हैं। तालाबों में तैयार मखाना की फसल का संग्रहण शुरू होने से महिलाओं में उत्साह है। उन्हें उम्मीद है कि उत्पादन के साथ प्रसंस्करण और बाजार की सुविधाएं मिलने से यह खेती उनकी नियमित आमदनी का बेहतर जरिया बन सकेगी। महिलाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए 26 अक्टूबर 2026 को मखाना संग्रहण की शुरूआत के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वैज्ञानिक प्रशिक्षण से बढ़ेगी उपज की गुणवत्ता और बाजार में पहचान : मखाना की खेती में उत्पादन के साथ उसकी सही कटाई, सफाई और प्रसंस्करण भी महत्वपूर्ण है। तालाबों से मखाना के बीज निकालने की प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होती है। पहली कटाई को लहसर कहा जाता है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत बीज निकाले जाते हैं। इसके बाद मरकट और कर्कट चरणों में शेष बीजों का संग्रहण किया जाता है। संग्रहित बीजों को साफ कर धूप में सुखाया जाता है। इसके बाद निर्धारित तकनीक से भुनाई और बीजों को फोड़ने की प्रक्रिया पूरी की जाती है, जिससे सफेद और कुरकुरा मखाना तैयार होता है। इसे लावा कहा जाता है। उचित प्रसंस्करण से उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने और बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त करने की संभावनाएं बढ़ती हैं।

उप संचालक उद्यानिकी ने बताया कि महिला स्व-सहायता समूहों को आगामी दिनों में कृषि विज्ञान केंद्र, धमतरी में मखाना के कटाई-पश्चात प्रबंधन का वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे महिलाएं उत्पादन के साथ प्रसंस्करण और गुणवत्ता प्रबंधन की तकनीक सीख सकेंगी तथा मखाना को स्वरोजगार के रूप में विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ेंगी।

कलेक्टर धमतरी ने कहा कि जिले में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए किसानों की आय बढ़ाने और महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मखाना की खेती इस दिशा में एक अच्छा विकल्प बन सकती है। उन्होंने कहा कि उत्पादन के साथ वैज्ञानिक तकनीक, प्रसंस्करण, गुणवत्ता और बाजार से जुड़ाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि ग्रामीण महिलाओं को इसका अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

धमतरी जिले में मखाना उत्पादन की यह शुरुआत केवल एक नई फसल की खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बढ़ता कदम भी है। तालाबों में तैयार हो रही मखाना की फसल के साथ महिलाओं के मन में बेहतर भविष्य की उम्मीद भी आकार ले रही है। आने वाले समय में वैज्ञानिक प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण प्रसंस्करण और बाजार से बेहतर जुड़ाव मिलने पर यह पहल महिला उद्यमिता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दे सकती है।

खैरागढ़ में 1 से 3 नवंबर तक सजेगा जिला स्तरीय सरस मेला

स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को मिलेगा बाजार, राजा फतेह सिंह खेल मैदान में होगा तीन दिवसीय भव्य आयोजन, पारंपरिक व्यंजन और स्थानीय उत्पाद रहेंगे आकर्षण का केंद्र

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत जिला पंचायत खैरागढ़-छुईखदान-गंडई द्वारा जिला स्तरीय तीन दिवसीय सरस मेले का आयोजन 1 से 3 नवंबर 2026 तक राजा फतेह सिंह खेल मैदान, खैरागढ़ में किया जाएगा। मेले में स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के साथ छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजनों का विशेष आकर्षण रहेगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना, उनके आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देना तथा स्वरोजगार एवं आजीविका के अवसरों का विस्तार करना है।

स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की लगेगी प्रदर्शनी : सरस मेले में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार कपड़े, बैग-पर्स, पापड़-बड़ी, अचार, मसाले, पान के व्यंजन, शुद्ध बेसन, दाल, मिट्टी के दीये, बांस कला से निर्मित सामग्री, डेयरी उत्पाद, जैविक सब्जियां, फल तथा जैविक चावल सहित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जाएगी। इससे ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने और स्थानीय स्तर पर व्यापारिक अवसर प्राप्त करने का मंच मिलेगा।

छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के साथ फास्ट फूड का भी मिलेगा स्वाद : मेले में पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। यहां आगंतुक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के साथ चाट, गुपचुप, भेल, चाय-कॉफी, फास्ट फूड एवं साउथ इंडियन व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। स्थानीय खानपान और पारंपरिक स्वाद के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध खाद्य संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रतिदिन सुबह 11 से रात 10 बजे तक चलेगा मेला : तीन दिवसीय सरस मेला 1 नवंबर से 3 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित होगा। आयोजन में आम नागरिकों को एक ही स्थान पर ग्रामीण उत्पादों की खरीदारी और विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

जिला पंचायत खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' द्वारा जिले के नागरिकों से मेले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीदारी करने तथा ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण में सहभागी बनने की अपील की गई है।

राहुल की हठधर्मिता से व्यापारियों की दिवाली होगी प्रभावित : भाजपा नेता अशोक चौधरी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भाजपा नेता अशोक चौधरी ने राहुल गांधी के 1 नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को लेकर कड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की हठधर्मिता के कारण 50 से 75 हजार क्षमता वाले रामलीला मैदान में 10 लाख लोगों को आमंत्रित किया गया है। लगभग 20 हजार गाड़ियों के आने से मैदान के चारों ओर 8 से 10 किलोमीटर तक का व्यापार प्रभावित होगा। व्यापारियों ने राहुल गांधी से अपील की है कि यह धरना-प्रदर्शन दिवाली और भाई दूज के बाद की तारीख में करें।

चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी को सनातन धर्म के त्योहार और उसके मानने वालों से कोई मतलब नहीं है। जब वे भारत जोड़ो यात्रा कर रहे थे, तो क्रिसमस से 10 दिन पहले यात्रा स्थगित कर दी गई थी। भारत में क्रिसमस मनाने वालों से 50 गुना ज्यादा लोग दिवाली मनाते हैं। उन्होंने कहा कि दिवाली केवल सनातन धर्म के लोगों का ही नहीं, बल्कि सभी को रोजी-रोजगार देने वाला पर्व है। पटाखा बेचने वाले 75 प्रतिशत लोग मुस्लिम समुदाय से आते हैं, इसी तरह कपड़ा और अन्य सामान बेचने वाले व्यापारी भी सभी वर्गों से होते हैं, लेकिन राहुल गांधी व्यापारियों की दिवाली खराब करने पर तुले हैं।

अब जनता को तय करना है कि कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों को रखना है या नेस्तनाबूद करना है। इसका फैसला जनता जनार्दन को अपने विवेक से करना चाहिए।

दिवाली से तुलसी पूजा तक प्रदर्शन स्थगित करने की अपील फेरी-पटरी व्यवसायियों की आजीविका पर असर का हवाला

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

राष्ट्रीय फेरी पटरी ठेला व्यवसायी महासंघ ने त्योहारी सीजन को देखते हुए सभी राजनीतिक दलों से दिवाली से तुलसी पूजा तक किसी भी प्रकार के प्रदर्शन और आंदोलन को स्थगित करने की अपील की है।

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट आलोक पाण्डेय के नेतृत्व में कांग्रेस, भाजपा, सपा, बसपा सहित सभी राष्ट्रीय और दिल्ली प्रदेश अध्यक्षों को पत्र लिखा गया है। महासंघ के अनुसार पत्र राहुल गांधी कार्यालय, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, डॉ. उदित राज सहित अन्य दलों के प्रमुख नेताओं को ईमेल के माध्यम से भेजे गए हैं।

पत्र में कहा गया है कि दिल्ली में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के कारण फेरी-पटरी और ठेला व्यवसायियों की आजीविका पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। दीपावली सहित त्योहारों का समय इन छोटे व्यवसायियों के लिए साल का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इनकी आमदनी रोज की कमाई पर निर्भर है और त्योहारी सीजन की आय से ही परिवार की जरूरतें पूरी होती हैं। बाजारों और सड़कों पर आवागमन में व्यवधान से इनकी रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है।

महासंघ ने स्पष्ट किया कि वह लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार का सम्मान करता है, लेकिन अनुरोध है कि आंदोलनों के कारण गरीब और दैनिक आय पर निर्भर व्यवसायियों की आजीविका बाधित न हो।

महासंघ ने सभी दलों से संवेदनशीलता के साथ विचार कर संवाद से समाधान निकालने का आग्रह किया है, ताकि लोकतांत्रिक विरोध भी जारी रहे और छोटे व्यवसायियों की आजीविका भी सुरक्षित रहे।

साप्ताहिक बैठक | धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने समय-सीमा की बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं व विकास कार्यों की समीक्षा की

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने राज्योत्सव के अवसर पर जिले में 2 नवम्बर 2026 को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय राज्योत्सव की सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्योत्सव में विभिन्न विभागों को स्टॉल लगाकर केन्द्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने कहा।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में विभागवार प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आवेदनों की नियमित ऑनलाइन मॉनिटरिंग करने कहा। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों की प्राथमिकता से समीक्षा कर समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। न्यायालयीन प्रकरणों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पाए जाने पर तत्काल हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने साप्ताहिक समय-सीमा, पीजीएन, पीजी पोर्टल एवं जनदर्शन के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की।

कलेक्टर ने आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिले में 26 नए धान खरीदी केन्द्रों के विस्तार के बाद अब कुल 122 केन्द्रों में धान खरीदी की जाएगी। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने में सुविधा होगी। उन्होंने अवैध धान परिवहन की रोकथाम के लिए जिले के सभी चेक पोस्टों पर 1 नवम्बर से सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में सघन जांच करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अवैध रेत परिवहन पर रोक लगाने के लिए चेक पोस्ट स्थापित कर लगातार जांच एवं सख्त कार्रवाई करने कहा। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पाए जाने पर तत्काल हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य में लगे सभी सर्वेयरों को दीपावली त्योहार से पहले राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने किसानों को खरीफ फसल के बाद रबी मौसम में धान के स्थान पर कम पानी की आवश्यकता वाली वैकल्पिक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने कहा। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य पूर्ण कर चुके ठेकेदारों का लंबित भुगतान शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाते हुए आवश्यक कार्रवाई करने कहा।

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच व निगरानी करने के दिए निर्देश -कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की अनिवार्य रूप से स्क्रीनिंग करने तथा उनके स्वास्थ्य की विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने ऐसी गर्भवती महिलाओं की समय पर सोनोग्राफी, आवश्यक स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा। साथ ही प्रतिदिन मोबाइल के माध्यम से संपर्क कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने एवं नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने एचपीवी टीकाकरण अभियान की प्रगति की जानकारी ली। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में अब तक 8 हजार 499 किशोरी बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई जा चुकी है। कलेक्टर ने स्कूलवार रोस्टर तैयार कर टीकाकरण अभियान में तेजी लाने तथा लक्षित किशोरी बालिकाओं का टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के दिए निर्देश -कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए बैंकों द्वारा आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक विलंब एवं धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बैंक अधिकारियों को लंबित आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंक स्तर पर होने वाली देरी से हितग्राहियों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। बैंक एवं संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए आवेदनों के निराकरण में तेजी लाएं, ताकि अधिक से अधिक नागरिक अपने घरों में सोलर पैनल स्थापित कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। कलेक्टर ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अब तक 15 हजार 653 आवेदन प्राप्त हुए हैं तथा 7 हजार 744 हितग्राही लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने शेष आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

छग में अवैध प्रवासियों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई – उप मुख्यमंत्री शर्मा

15 नवंबर से 15 जनवरी तक पूरे प्रदेश में चलेगा दो माह का सघन जांच अभियान, अवैध प्रवासियों को शरण देने वाले ठेकेदारों, नियोक्ताओं और फर्जी दस्तावेज बनाने वालों पर भी होगी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों और घुसपैठियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक पूरे प्रदेश में दो माह का विशेष सघन जांच अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान औद्योगिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों, किराए के मकानों, होटलों, धर्मशालाओं तथा अन्य संदिग्ध स्थानों की जांच की जाएगी। अवैध प्रवासियों को शरण देने, रोजगार उपलब्ध कराने, उन्हें दूसरे राज्यों से लाने और उनके फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों के विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने आज महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में सभी जिलों के नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर अवैध प्रवासियों की पहचान, उनकी गतिविधियों की निगरानी और रोकथाम के लिए व्यापक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ रोकने के लिए सभी जिलों में एक साथ सुनियोजित अभियान चलाया जाए। प्रत्येक संदिग्ध मामले की गहराई से जांच कर उससे जुड़े पूरे नेटवर्क का पता लगाया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि भारत को धर्मशाला नहीं बनने देना है। किसी व्यक्ति का लंबे समय से भारत में निवास करना अपने आप में भारतीय नागरिकता का प्रमाण नहीं है। आधार कार्ड, पैन कार्ड और राशन कार्ड जैसे पहचान संबंधी दस्तावेज नागरिकता के प्रमाण नहीं हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संदिग्ध व्यक्तियों की नागरिकता और निवास की वैधता का निर्धारण केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानक प्रक्रिया और प्रचलित कानूनों के अनुसार किया जाए। उन्होंने बांग्लादेश से आए लोगों के संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्र कर उनका रिकॉर्ड तैयार करने के भी निर्देश दिए।

औद्योगिक क्षेत्रों और निर्माण स्थलों पर होगी विशेष जांच

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सस्ते श्रम के लालच में कुछ औद्योगिक ठेकेदार, सड़क एवं भवन निर्माण ठेकेदार, कुटीर उद्योग तथा गुड़ उद्योग के संचालक अवैध प्रवासियों को काम और आश्रय उपलब्ध कराते हैं। ऐसे मामलों की गंभीरता से जांच की जाए। उन्होंने व्यवसायियों और ठेकेदारों से अपील की कि वे बिना वैध दस्तावेजों वाले विदेशी नागरिकों को रोजगार पर न रखें तथा नियमानुसार श्रमिकों का सत्यापन सुनिश्चित करें। उन्होंने रायपुर, कोरबा और रायगढ़ जैसे प्रमुख औद्योगिक नगरों के साथ प्रदेश के अन्य जिलों में भी संवेदनशील क्षेत्रों और संभावित हॉटस्पॉट का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए। इन स्थानों पर एक साथ सघन जांच अभियान चलाया जाएगा।

किराएदारों, होटल और धर्मशाला संचालकों की भी होगी जांच

उप मुख्यमंत्री ने मकान मालिकों को किराए पर मकान देने से पहले किराएदारों के आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने तथा उनका सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने किराएदारों की जानकारी साझा करने के लिए बनाए गए ऐप को सक्रिय करने और उसका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। होटल, लॉज, धर्मशाला और अन्य आवासीय प्रतिष्ठानों में ठहरने वाले संदिग्ध व्यक्तियों के दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी। अवैध प्रवासियों को जानबूझकर शरण देने या उन्हें लाने में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होगी।

ग्राम सभाओं और पार्षदों के सहयोग से होगी पहचान

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों का सहयोग भी लिया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभाओं के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी जुटाई जाएगी, वहीं नगरीय क्षेत्रों में पार्षदों के साथ बैठक कर ऐसे मामलों की पहचान और सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने गांव-गांव जाकर सामान बेचने वाले फेरीवालों तथा विभिन्न कार्यों के लिए बाहर से आने वाले व्यक्तियों की भी जांच करने के निर्देश दिए। ऐसे व्यक्तियों के कार्य प्रारंभ करने से पहले पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पंजीयन की व्यवस्था करने तथा इसके लिए प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी निर्धारित करने को कहा।

अवैध प्रवासियों की जानकारी के लिए बनेगा विशेष सॉफ्टवेयर

उप मुख्यमंत्री ने अवैध प्रवासियों की पहचान और निगरानी के लिए विशेष सॉफ्टवेयर विकसित करने के निर्देश दिए। इसमें संदिग्ध व्यक्तियों से संबंधित जानकारी, दस्तावेजों के सत्यापन और विभिन्न जिलों में की गई जांच का विवरण संधारित किया जाएगा। इससे किसी व्यक्ति के संबंध में एक जिले में हुई जांच की जानकारी अन्य जिलों को भी उपलब्ध हो सकेगी और कार्रवाई में बेहतर समन्वय स्थापित होगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल ऐप के माध्यम से संचालित संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रखने के निर्देश दिए।

फर्जी आधार कार्ड और पासपोर्ट बनाने वालों पर होगी कार्रवाई

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने फर्जी आधार कार्ड, पासपोर्ट तथा अन्य पहचान संबंधी दस्तावेज तैयार कराने वाले व्यक्तियों और इसमें संलिप्त सेवा केंद्रों की विस्तृत जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फर्जी पाए गए आधार कार्डों को संबंधित प्राधिकरण के माध्यम से नियमानुसार निष्क्रिय कराया जाए। जिन मामलों में अवैध रूप से रह रहे व्यक्तियों के पासपोर्ट बनाए जाने की आशंका है, उनकी तह तक जांच की जाए। दस्तावेज तैयार करने से लेकर उन्हें जारी कराने तक की पूरी प्रक्रिया में शामिल दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने अन्य राज्यों के ऐसे क्षेत्रों, जहां से संदिग्ध व्यक्तियों के पहचान पत्र बनाए जाने की जानकारी मिलती है, वहां की राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों से समन्वय कर विस्तृत जांच करने के निर्देश भी दिए।

अवैध प्रवासियों की पहचान के बाद नियमानुसार होगी निर्वासन की कार्रवाई

उप मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संदिग्ध व्यक्तियों की त्वरित जांच कर उनकी नागरिकता एवं निवास संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन किया जाए। अवैध प्रवासी पाए जाने पर निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करते हुए आवश्यकता अनुसार होल्डिंग सेंटर में रखने और उसके बाद निर्वासन (डिपोर्टेशन) की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि किसी एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान तक ही जांच सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसे आश्रय देने, रोजगार उपलब्ध कराने, फर्जी दस्तावेज बनवाने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने वाले पूरे नेटवर्क की जांच की जाए।

उन्होंने मुंगेली और बेमेतरा जिलों में चोरी के मामलों तथा अन्य नौ आपराधिक प्रकरणों में अवैध प्रवासियों की संदिग्ध संलिप्तता के उदाहरणों का उल्लेख करते हुए ऐसे मामलों में सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध प्रवास और इससे जुड़ी आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी रोकथाम के लिए पुलिस और संबंधित विभागों को समन्वय के साथ काम करना होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध घुसपैठ से स्थानीय लोगों के रोजगार के अवसर प्रभावित होने और जनसांख्यिकीय बदलाव जैसी आशंकाओं को भी गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक मामले में तथ्यात्मक जांच और कानूनी प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने को कहा।

संदिग्ध अवैध प्रवासियों की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800-233-1905 पर दें

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रदेशवासियों से भी इस अभियान में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के अवैध रूप से देश में रहने की जानकारी या संदेह होने पर नागरिक टोल फ्री नंबर 1800-233-1905 पर सूचना दे सकते हैं। प्राप्त सूचनाओं की संबंधित एजेंसियों द्वारा जांच की जाएगी।

बैठक में गृह सचिव सुश्री नेहा चंपावत ने कहा कि अवैध प्रवासियों की पहचान और जांच केंद्रीय गृह मंत्रालय की निर्धारित मानक प्रक्रिया के अनुसार की जाए। बाहर से आने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जाए तथा सभी संबंधित एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने अब तक की गई कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक प्रकरण को केवल एक व्यक्ति तक सीमित न रखा जाए। उसकी विस्तृत जांच कर उससे जुड़े पूरे नेटवर्क, फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों तथा अन्य सहयोगियों की पहचान की जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में सचिव सुश्री नेहा चंपावत, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (गुप्तवार्ता) अमित कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक ओ.पी. पाल सहित सभी जिलों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राजनांदगांव के सोमनी में खुलेगा मेगा मल्टी फ्रूट प्रोसेसिंग यूनिट, 400 करोड़ की लागत से 6 हजार रोजगार सृजित होंगें

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ सरकार ने कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद बैठक में राजनांदगांव जिले के सोमनी में मल्टी फ्रूट प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के तकनीकी सहयोग से बनने वाली इस परियोजना पर लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इससे फलों और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। सरकार के अनुसार इस प्लांट से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से 6000 से अधिक रोजगार सृजित होंगे, जिससे स्थानीय युवाओं और ग्रामीण श्रमिकों को पलायन नहीं करना पड़ेगा। बागवानी फसलों की अधिक पैदावार वाले इस क्षेत्र में प्रोसेसिंग और कोल्ड चेन की कमी से फसल खराब होती थी, अब किसानों को उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। भाजपा नेता कृष्णा तिवारी ने इस फैसले के लिए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का क्षेत्रवासियों की ओर से आभार जताया है।

बीएसपी के विद्यालयों की खेल प्रतिभाओं का किया गया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों के विजेता विद्यार्थियों के लिए भिलाई निवास में खेल प्रतिभा सम्मान समारोह 2025-26 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार रहे।

महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे ने स्वागत भाषण में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि पवन कुमार ने कहा कि खिलाड़ियों ने विद्यालयों, बीएसपी और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं एवं सीएसआर) ए.बी. श्रीनिवास और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त पूर्व ओलंपियन राजेन्द्र प्रसाद ने भी खिलाड़ियों को प्रेरित किया। सत्र 2025-26 में लगभग 150 विद्यार्थियों ने ब्लॉक से राष्ट्रीय स्तर तक की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा में 5 स्वर्ण, 3 रजत, 1 कांस्य सहित 9 पदक, खुली राज्य स्तरीय में 4 स्वर्ण, 3 कांस्य सहित 7 पदक, राष्ट्रीय शालेय में 9 खिलाड़ियों ने 3 स्वर्ण, 1 रजत, 1 कांस्य सहित 5 पदक, खुली राष्ट्रीय में 5 स्वर्ण, 2 रजत, 1 कांस्य सहित 8 पदक, सेल स्थापना दिवस मैराथन में द्वितीय और तृतीय स्थान रहे। खिलाड़ियों के साथ क्रीड़ा समन्वयकों और खेल प्रभारी शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई, 28 प्रकरणों पर हुई सुनवाई, 7 नस्तीबद्ध

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में जिला रायपुर के प्रकरणों की जनसुनवाई हुई। संभाग प्रभारी सदस्य श्रीमती सरला कोशरिया एवं सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी भी उपस्थित रहीं। जिले के 50 प्रकरणों में अब तक 28 की सुनवाई की गई है, जिनमें 7 प्रकरण नस्तीबद्ध किए गए।

सुनवाई में एक मामले में अनावेदक ने आवेदिका को 4 नवंबर को एकमुश्त 5 लाख रुपये देने की सहमति दी। आवेदिका 31 अक्टूबर को महिला पुलिसकर्मी एवं सखी वन स्टॉप सेंटर की टीम के साथ ससुराल से अपना सामान ले सकेगी। संपत्ति विवाद में ग्राम बिरकोनी स्थित 2 एकड़ खेत और छेरीखेड़ी स्थित मकान का एक माह में आवेदिका के नाम पंजीयन कराने तथा बच्चों का टीसी दिलाने के निर्देश दिए गए।

एक घरेलू विवाद में आवेदिका को विधिक सहायता से अधिवक्ता उपलब्ध कराने के निर्देश देकर प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। साथ रहने की सहमति वाले मामले में अनावेदक को मारपीट न करने और आवेदिका को प्रतिमाह 5 हजार रुपये देने के निर्देश दिए गए। दिव्यांग आवेदिका की लिफ्ट नवंबर तक ठीक कराने के लिए अनावेदक को समय दिया गया।

शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण की शिकायत पर आयोग के निर्देशानुसार टिकरापारा थाने में अनावेदक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 64(2)(उ) तथा पॉक्सो अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। तीन प्रकरणों में अनावेदकों की अनुपस्थिति पर आगामी सुनवाई में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। सुनवाई में रायपुर संभाग प्रभारी श्रीमती मंजू थदानी, डीएसपी स्नेहा आकाश राव, महिला थाना प्रभारी मौर्य, सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर नीति सिंह, संरक्षण अधिकारी प्रीति पाण्डेय सहित आयोग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेलवे के पूर्व कर्मी भारत सिंह का निधन

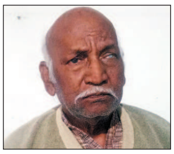

भिलाई। स्टेशन चौक जी केबिन चरोदा निवासी रेलवे के पूर्व कर्मी श्री भारत सिंह (76) का बुधवार रात्रि निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे। परिजनों के अनुसार उनकी अंतिम यात्रा गुरुवार 29 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे उनके निज निवास स्टेशन चौक, जी केबिन, चरोदा से निकली। जहां उनका अंतिम संस्कार सिरसा कला श्मशान घाट में किया गया। स्व. भारत सिंह IBC 24 के पत्रकार गंगाप्रसाद सिंह और संतराम सिंह के पिता थे। उनके निधन पर क्षेत्र में शोक की लहर है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100